



पेज 8

आईसीसी की ताजा टी-20 इंटरनेशनल बल्लेबाजी रैंकिंग में ईशान किशन नंबर-1

दैनिक

ठाणे

पैनी नजर, पुख्ता खबर

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

अनन्या पांडे का ग्लैमरस अवतार

पेज 8



सुप्रभात

इस ढंग से काम करो, मानो तुम इस संसार में एक विदेशी हो, एक यात्री हो। सतत काम करो, पर अपने को बंधन में न जकड़ लेना, बंधन बड़ा भयानक है।
- विवेकानंद



मौसम का भिजाज

सूर्यास्त (2 जुलाई) 7:19 बजे, सूर्योदय (3 जुलाई) 6:06 बजे, तापमान: 27 डिग्री से. (गरज के साथ बौछार।)

शॉर्ट स्टोरी

सिखों के हेलमेट पहनने संबंधी याचिका खारिज

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई मुंबई उच्च न्यायालय ने पगड़ी पहनने वाले सिख पुरुषों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने से मिली छूट को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए कहा कि यह छूट धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि 'उचित वर्गीकरण' के आधार पर दी गई है। नागपुर पीठ की न्यायमूर्ति उर्मिला जोशी-फांके और न्यायमूर्ति निवेदिता मेहता ने सोमवार को 23 वर्षीय छात्र कीर्तेश चौधरी द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि संविधान का अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) वर्ग-विशेष के पक्ष में बनाए गए मनमाने कानूनों पर रोक लगाता है, लेकिन युक्तिस्मगत और तार्किक आधार पर किए गए वर्गीकरण की अनुमति देता है।

जेसीबी से कुचलकर की मजदूर की हत्या

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे पुणे जिले में स्थित दौंड तहसील के गाडामोडी स्थित एक गुड बनाने के कारखाने में काम करने वाले उत्तर प्रदेश के 23 वर्षीय मजदूर की जेसीबी के नीचे कुचलकर मौत हो गई थी। इस हादसे को छिपाने के लिए उसके शव को कार की डिवली में डालकर बायोली-राह रोड पर फेंकने का चैंकाने वाला मामला सामने आया है। इस मामले में यवत पुलिस ने जेसीबी चालक, जेसीबी मालिक और अन्य चार लोगों को खिलाफ मामला दर्ज किया है। मृत युवक की पहचान रामू शंभू पासी निवासी कोला, जिला सीतापुर (यूपी) के रूप में हुई है। वह अप्रैल 2026 से गाडामोडी स्थित कारखाने में मजदूर के रूप में काम कर रहा था।

300 फीट गहरी खाई में फेंका गया फाइबर डमी

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। इसी कड़ी में बुधवार को पुणे ग्रामीण पुलिस ने लोहागढ़ किले पर पहुंचकर पूरे घटनाक्रम को दोबारा दोहराया। जांच के दौरान पुलिस ने हत्या की घटना को समझने के लिए केतन अग्रवाल की लंबाई और वजन के बराबर एक फाइबर डमी को करीब 300 फीट गहरी खाई में फेंका, ताकि यह पता लगाया जा सके कि घटना के समय क्या और कैसे हुआ होगा। इससे पहले मंगलवार को पुलिस ने मामले के दूसरे आरोपी चेतन चौधरी का 'गेट एवलिजिसिंस' (चलने के तरीके का परीक्षण) भी किया। इस प्रक्रिया के जरिए चेतन की गतिविधियां समझने की कोशिश की गई।

राऊत बोले- सिर्फ छोटी मछलियां पकड़ी गईं

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा विवाद को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राऊत ने केंद्र और जांच एजेंसियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस मामले में सिर्फ छोटे लोगों पर कार्रवाई की गई है, जबकि इस मामले में लिंग गंभीर आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जाना चाहिए। संजय राऊत ने पत्रकारों से कहा कि सबसे पहले चंपत राय को गिरफ्तार कीजिए। अनिल मिश्रा को गिरफ्तार कीजिए। गोपाल राय को गिरफ्तार कीजिए। जिन लोगों ने जमीन खरीदी और उसे ट्रस्ट को बेचा, उन्हें गिरफ्तार कीजिए। अयोध्या के मेयर को भी गिरफ्तार कीजिए। आपने सिर्फ छोटी मछलियों को पकड़ा है।

हिंदमाता एंकर:

इथेनॉल पर क्यों चुप है विपक्ष? शुगर फैक्ट्री से क्या है कनेक्शन, जानें किन-किन नेताओं के पास है चीनी मिलें

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई इन दिनों इथेनॉल खूब चर्चा में है। भारत में मुख्य रूप से गन्ने और मक्के से इथेनॉल बनाया जाता है। पेट्रोल में इथेनॉल मिलाया जा रहा है। नेता इससे प्रदूषण से बचाव वाला ईंधन करार दे रहे हैं, जबकि वाहनधारकों का कहना है कि इथेनॉल वाहनों को खराब कर रहा है। वहीं नेताओं का दावा है कि कारखाने में एक लीटर इथेनॉल बनाने में 3 से 6 लीटर पानी खर्च होता है, जबकि पर्यावरण को लेकर किए तमाम अध्ययनों से यह अनुमान सामने आता है कि गन्ने से एक लीटर इथेनॉल बनाने में 1500 से 3000 लीटर पानी लगता है। अब एक आम धारणा बनती जा रही है कि शुगर लॉबी को लाभ पहुंचाने के लिए इथेनॉल का खेल किया जा रहा है। वहीं विपक्ष की चुप्पी पर भी सवाल उठ रहे हैं। आज के दौर में शुगर मिलें आधुनिक बायो-रिफाइनरी के रूप में काम कर रही हैं। यहां गन्ने से न केवल मिठास पैदा की जा रही है, बल्कि इथेनॉल बेचकर भी भारी मुनाफा कमाया जा रहा है। फिलहाल इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल की वजह से देश में सामान्य नागरिक काफी परेशान हैं, ऐसे में प्रमुख सवाल यह उठता है कि विपक्ष इतने गंभीर मुद्दे को जोरदार तरीके से क्यों नहीं उठा रहा?

100 मिलीमीटर से अधिक वर्षा, सड़कों पर जलभराव, ट्रेन लेट और विमान सेवा भी प्रभावित

मुंबई में आफत की बारिश



नवी मुंबई में दो युवतियों को लगा करंट, नदी बना नालासोपारा, वसई में पानी में बहे कई वाहन



गरीबों का सहारा कहा जानेवाला नालासोपारा मंगलवार-बुधवार की बारिश में नदी-सा दिखाई देने लगा। आम नागरिकों को पानी में भीगते हुए पानी में डूबी सड़कों पर चलना पड़ा। यहां लोग जलजमाव को अपनी किस्मत मान बैठे हैं। (फोटो- सचिन हलदे)

बिपिन तिवारी/ विजय गिरी @ मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में मानसून ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। महानगर और उसके आसपास के उपनगरीय इलाकों में बुधवार सुबह तक पिछले 24 घंटों के दौरान 100 मिलीमीटर से अधिक मूसलाधार बारिश दर्ज की गई है। इस आफत की बारिश के कारण मुंबई के कई निचले इलाकों सहित अंधेरी सबसे भी भारी जलभराव हो गया है, जिससे यातायात को डायवर्ट करना पड़ा है। बारिश अब भी लगातार हो रही है। जिससे लोगों में 26 जुलाई वाली दहशत पैदा हो गई है। भारी वर्षा का सीधा असर मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेनों और हवाई सेवाओं पर भी पड़ा है। सड़कों पर समतल जैसा नजारा होने के कारण जगह-जगह लंबा ट्रैफिक जाम लग गया है और आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश का असर केवल मुंबई तक सीमित नहीं रहा। नवी मुंबई, ठाणे, भिवंडी और कोकण क्षेत्र के कई जिलों में भी जलभराव, ट्रैफिक जाम और जनजीवन प्रभावित होने की खबरें सामने आई हैं।

मानखुर्द और भायखला में सबसे ज्यादा बरसे बादल

बृह-मुंबई महानगरपालिका द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मंगलवार सुबह 8 बजे से बुधवार सुबह 8 बजे के बीच पूर्वी उपनगरों में औसतन 109 मिमी, पश्चिमी उपनगरों में 87 मिमी और मुख्य मुंबई शहर में 86 मिमी बारिश हुई। स्वचालित वर्षा माप प्रणालियों के मुताबिक, मानखुर्द इलाके में सबसे ज्यादा 170.4 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा भायखला में 162.52 मिमी, मुंबई सेंट्रल में 142.43 मिमी और वडाला में 127 मिमी पानी गिरा। बुधवार सुबह 7 से 8 बजे के बीच महज एक घंटे में अंधेरी पश्चिम में 39 मिमी की अत्यधिक तेज बारिश हुई, जिसके चलते एहतियात के तौर पर अंधेरी सब्जे को बंद कर वाहनों को दूसरे रास्तों पर मोड़ना पड़ा।

ओएचई तार टूटने से थमी लोकल, दफ्तर जाने वाले परेशान

बीएमसी के दावों के विपरीत, सुबह के समय काम पर निकलने वाले लाखों मुंबईकरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मध्य और पश्चिम रेलवे की उपनगरीय लोकल ट्रेनें अपने निर्धारित समय से 15 से 20 मिनट की देरी से संचालित हो रही हैं। सबसे बड़ा झटका हार्बर लाइन के यात्रियों को लगा, जहां नवी मुंबई को मुंबई से जोड़ने वाले रूट पर सुबह 4:52 बजे अचानक ओवरहेड इन्विपमेंट यानी विद्युत तार टूट गया। इस तकनीकी खराबी के कारण हार्बर लाइन पर रेल सेवाएं सुबह 5:45 बजे तक पूरी तरह ठप रही। हालांकि ब्रेट की बसें सड़कों पर तेरते पानी की बीच जैसे-तैसे चलती नजर आईं।

वसई में सैलाब के बीच बही कारें

वसई के वाघराल पाड़ा में बुधवार को उस समय चीख-पुकार मच गई जब लगातार हो रही भारी बारिश के कारण स्थानीय नाले को जलस्तर पलक झपकते ही अप्रत्याशित रूप से बढ़ गया। पानी का बहाव इतना तेज था कि वहां पार्किंग क्षेत्र में खड़ी तीन मोटरसाइकिलें, एक वेगनआर और एक मारुति इको कार पानी की तेज धारा में बहने लगीं। इस भयावह मंजर को देखकर आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। इसी दौरान इको कार में सवार चंद्रकांत किनी नामक व्यक्ति ने अद्भुत सुझाव और अदम्य साहस का परिचय दिया। उन्होंने उफनते पानी के बीच फंसे दो अन्य नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला और उनकी जान बचाई।

एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी बेहद कम, कई उड़ानें डायवर्ट

सड़क और रेल यातायात के साथ-साथ हवाई यातायात भी इस मूसलाधार बारिश की चपेट में आ गया है। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दृश्यता काफी कम हो जाने के कारण विमानों के संचालन में भारी बाधा आ रही है। सुरक्षा के मद्देनजर कई उड़ानों को नजदीकी हवाई अड्डों पर डायवर्ट किया गया है, जबकि दर्जनों उड़ानें देरी से उड़ान भर रही हैं। जमीन पर

पवई झील पानी से लबालब

मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में हो रही भारी बारिश के बीच पूर्वी उपनगर में स्थित पवई झील बुधवार सुबह लबालब भर गई, लेकिन मुंबई को पीने के पानी की आपूर्ति करने वाले सात जलाशयों में जलभंडार पिछले साल की तुलना में अब भी बेहद कम है। बृह-मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने बताया कि कृत्रिम पवई झील में सुबह करीब 5:30 बजे पानी अपनी तय सीमा से ऊपर के स्तर पर था। इस झील में 545 करोड़ लीटर पानी जमा करने की क्षमता है और इसके पानी का इस्तेमाल पीने के लिए नहीं बल्कि केवल कारखानों और औद्योगिक कार्यों के लिए होता है। इस झील से निकलने वाला अतिरिक्त जल मीठी नदी में जाता है, और यह नदी आगे चलकर माहिम के पास समुद्र में मिल जाती है। ऐतिहासिक पवई झील का निर्माण साल 1890 में 40 लाख रुपए की लागत से किया गया था।

मुंबई के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को मुंबई के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए शहर में भारी से बहुत भारी बारिश होने का पूर्वानुमान बताया। विभाग ने कहा कि मुंबई में अगले कुछ दिनों में छिपटू जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश होने की भी आशंका है। आईएमडी ने दोपहर 1:43 बजे महाराष्ट्र के लिए जिलेवार पूर्वानुमान जारी किया। इसमें कोकण क्षेत्र के तटीय रन गिरी जिले में बुधवार के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश, जबकि छिपटू जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश होने का अनुमान बताया गया। नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि आईएमडी ने पालघर में गुरुवार के लिए, जबकि रायगढ़ में गुरुवार और शुक्रवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। ठाणे में बुधवार से शुक्रवार तक के लिए ऑरेंज अलर्ट और शनिवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने रविवार को मुंबई, ठाणे और सिंधुदुर्ग में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने का पूर्वानुमान बताया है, जबकि पालघर, रायगढ़ और रत्नागिरी में कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की आशंका है।

नेरुल एलपी ग्लिज के पास पानी में उतरा मौत का करंट

नवी मुंबई में पिछले तीन दिनों से जारी मूसलाधार बारिश के बीच नेरुल एलपी ग्लिज के नीचे एक बेहद चौंकाने वाला और गंभीर हादसा हुआ। दरअसल, ग्लिज के नीचे से गुजरने वाला एक भूमिगत बिजली का तार सड़क के ऊपर आ गया था। भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण तार के ऊपर का सुरक्षा कवच पूरी तरह घिसकर निकल चुका था, जिससे पानी भरते रास्ते में सीधे शॉर्ट सर्किट हो रहा था। इसी दौरान वहां से गुजर रही 16 से 20 वर्ष की दो कॉलेज छात्राएं पानी में फैले इस अदृश्य करंट की चपेट में आ गईं और तड़पकर पानी में गिर गईं। स्थानीय नागरिक प्रकाश राजपुरोहित ने सुझाव देते हुए सीधे लड़कियों को छूने के बजाय एक मोटे कपड़े और अपने छाते का इस्तेमाल कर दोनों छात्राओं को करंट के दायरे से बाहर खींचा और दोनों को सुरक्षित बचा लिया। दोनों छात्राओं को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों के मुताबिक अब उनकी हालत स्थिर बनी हुई है।

हादसों में दो लोगों की मौत

बारिश से जुड़ी दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हुई है। चेंबूर में स्कूल वैन पर पेड़ गिरने से एक छात्र की जान चली गई, जबकि शहर के पालकेश्वर इलाके में तीन मंजिला इमारत का एक हिस्सा गिरने से 51 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई।

नवी मुंबई में सायन-पनवेल मार्ग जलमग्न

लगातार बारिश का असर नवी मुंबई में भी देखने को मिला। सानपाड़ा सबवे में भारी जलभराव के कारण लोगों को आवाजाही में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। वहीं सायन-पनवेल रोड के सर्विस रोड पर पानी भर जाने से कई वाहन भी रास्ते में फंस गए। हालात को देखते हुए इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोक दी गई। स्थानीय लोग घुटनों तक पानी में चलकर सड़क पार करने को मजबूर हुए।

मुंबई की प्यास बुझाने वाले सात जलाशयों में पानी का संकट बरकरार

मुंबई के लोगों को पीने का पानी पहुंचाने वाले सात जलाशयों में बुधवार सुबह छह बजे तक उनकी कुल क्षमता का केवल 7.18 प्रतिशत पानी ही बचा था। अगर पिछले साल यानी 1 जुलाई 2025 की बात करें, तो उस समय इन जलाशयों में 41.17 प्रतिशत पानी मौजूद था। मुंबई को भातसा, ऊपरी वैतरणा, मध्य वैतरणा, तानसा, मोदक सागर, विहार और तुलसी नाम सात अलग-अलग झीलों से हर दिन 385 करोड़ लीटर पीने का पानी मिलता है।

प्रमुख राजनेता जिनका चीनी मिलों से संबंध है

भारतीय जनता पार्टी: नितिन गडकरी, सुभाष देशमुख, देवेद फडणवीस, विनोद तावडे, डॉ. अतुल भोसले, अभिमन्यु पवार, हरिभाऊ बागडे, बबनराव पाचपुते।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (दोनो गुट मिलाकर): अजित पवार, शरद पवार, जयंत पटील, दिलीप वलसे-पाटील, हसन मुश्रीफ, मकरंद पाटील, राजेश टोपे, धनंजय मुंडे, प्राजवत तनपुरे, बबनराव शिंदे।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस: अशोक चव्हाण, बालासाहेब थोरात, अमित देशमुख, सतेज पाटील, विश्वजीत कदम, सिद्धार्थ म्हेत्रे, पतंगराव कदम।

शिवसेना: शंभूराज देसाई, विजय शिवतारे।

अन्य: शंकरराव गडाऊ (निर्दलीय/शिवसेना टाकरे गुट), रत्नाकर गुटे।

एमएसआरटीसी धार्मिक पर्यटन पहल में निजी एजेंसियों को शामिल करेगी

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) ने किफायती दर पर धार्मिक पर्यटन उपलब्ध कराने और अपने राजस्व को बढ़ाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे एक कार्यक्रम के तहत निजी भागीदारी को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बुधवार को यह घोषणा की। ‘हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे - एसटी सगे तीर्थयात्रा योजना’ नाम की इस पहल के तहत, एमएसआरटीसी दो साल के प्रायोगिक चरण के लिए राज्य के छह क्षेत्रों में से प्रत्येक के लिए एक निजी पर्यटन एजेंसी का चयन करेगी। यह योजना विभिन्न धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों की यात्रा करने वाले नागरिकों के लिए एमएसआरटीसी बसों (जिन्हें आमतौर पर एसटी बस कहा जाता है) में किफायती यात्रा की सुविधा प्रदान करती है। मंत्री के कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि श्रद्धालुओं की आस्था को सेवा भाव से जोड़ने और एमएसआरटीसी की वित्तीय स्थिति को एक नया आधार देने के दोहरे उद्देश्य से लागू की गई यह योजना राज्य में धार्मिक पर्यटन को प्रभावी ढंग से दिशा देगी और साथ ही निगम के राजस्व को भी बढ़ाएगी। विज्ञप्ति के अनुसार, इस योजना के तहत निजी एजेंसियां यात्रियों के ठहरने, भोजन, स्थानीय परिवहन, गाइड, टोल, पार्किंग और प्रवेश शुल्क सहित सभी सहायक सेवाओं का प्रबंधन करेंगी। हालाँकि, टिकटों से होने वाली पूरी आय एमएसआरटीसी के पास ही रहेगी। इस योजना के तहत सरकार द्वारा दी जाने वाली यात्रा संबंधी सभी रियायतें पहले की तरह लागू रहेंगी, जिससे यह यात्रा सामान्य निजी दौरों की तुलना में काफी सस्ती हो जाएगी।

उफनते नाले ने निगलीं दो कारें

वसई में बारिश के बीच चालक ने लगाई मौत से छलांग

हिंदमाता संवाददाता @ वसई वसई-विरार में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश अब जानलेवा साबित होने लगी है। पिछले दो दिनों से जारी भारी बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर हैं। इसी बीच वसई पूर्व के राजावली स्थित वाघराल पाड़ा इलाके में तेज बहाव के कारण दो कारें बड़े नाले में बह गईं। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

तेज बहाव में बहती कार पुल से टकराई
जानकारी के अनुसार, बहने वाली कारों में से एक बैनआर में चालक सवार था। तेज बहाव के कारण कार काफी दूर तक बहती चली गई और पैदल यात्रियों के लिए बने एक छोटे पुल से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पुल क्षतिग्रस्त होकर टूट गया।

जेसीबी की मदद से शुरु हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन
घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय नागरिक मौके पर पहुंचे। जेसीबी मशीन की मदद से दोनों वाहनों को नाले से बाहर निकालने का अभियान शुरू किया गया, जो देर तक जारी रहा।

मनपा दफ्तरों में पेयजल संकट

शीतल जल मशीनें बंद, कर्मचारी बोतलबंद पानी के सहारे, नागरिकों को भी हो रही परेशानी

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी
भिवंडी नगर निगम मुख्यालय सहित विभिन्न प्रभाग समिति कार्यालयों में पीने के स्वच्छ पानी के लिए लगाई गई शीतल जल मशीनें लंबे समय से बंद पड़ी हैं। इसके चलते कर्मचारियों और कार्यालयों में काम से आने वाले नागरिकों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारी तो बिस्लेरी की बोतलों से काम चला रहे हैं, लेकिन टैक्स जमा कराने और अन्य कार्यों से आने वाले लोगों के लिए पीने के पानी की समुचित व्यवस्था नहीं है।

बंद पड़ी हैं मशीनें
जानकारी के अनुसार, मनपा मुख्यालय में लगी कई शीतल जल मशीनें खराब होकर बंद हो चुकी हैं। वहीं प्रभाग समिति क्रमांक 1, 2 और 3 की मशीनें भी वर्षों से अनुपयोगी पड़ी हैं और उनकी मरम्मत नहीं कराई गई। दूसरी ओर, प्रभाग समिति क्रमांक 4 और 5 में शीतल जल मशीन की व्यवस्था ही नहीं है, जिससे कर्मचारियों को निजी खर्च पर बोतलबंद पानी खरीदना पड़ रहा है।

12 नई मशीनें लगाने की तैयारी
मनपा जलापूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता सदीप पटनावर ने बताया कि मौजूदा मशीनें काफी पुरानी और मरम्मत के योग्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मनपा मुख्यालय के प्रत्येक ब्लॉक और सभी प्रभाग समिति कार्यालयों में कुलर के साथ वाटर फ्यूरीफायर मशीनें लगाने की योजना बनाई गई है।

हिंदमाता एंकर: भिवंडी में 78 फर्जी डॉक्टरों पर मामला दर्ज, मचा जोरदार हड़कंप

‘डॉक्टर्स डे’ के अवसर पर बोगस डॉक्टरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी
'राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे' के अवसर पर महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर स्वास्थ्य सेवा के उपनिदेशक ने भिवंडी का दौरा कर अनधिकृत रूप से प्रैक्टिस करने वाले बोगस डॉक्टरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस अभियान के तहत मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी और शहर के 20 नागरिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारियों के साथ तीन क्लीनिकों पर औचक निरीक्षण किया गया। कार्रवाई के बाद शहर में हड़कंप मच गया।

वसई-विरार में दूसरे दिन भी मूसलाधार बारिश का कहर

● सड़कें बनीं दरिया, पेल्हार और मांडवी में सबसे ज्यादा बारिश

मयंक रावत @ नालासोपारा
वसई-विरार में लगातार दूसरे दिन हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। मंगलवार शाम से शुरू हुई बारिश बुधवार सुबह तक जारी रही, जिससे शहर के कई प्रमुख मार्ग और निचले इलाके जलमग्न हो गए। जगह-जगह जलभराव, धीमी पड़ती यातायात व्यवस्था, घरों और दुकानों में घुसा पानी तथा पेड़ गिरने की घटनाओं ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। हालात को देखते हुए वसई-विरार शहर महानगरपालिका ने राहत कार्य तेज कर दिए हैं और जलनिकासी के लिए हाई-कैपेसिटी पंप लगातार चलाए जा रहे हैं।

हाईवे पर लगा लंबा जाम, घंटों फंसे वाहन
मूसलाधार बारिश का सबसे ज्यादा असर मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर देखने को मिला। कई स्थानों पर सड़क पर पानी भर जाने से यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। लंबा जाम लगने से वाहन रंगते नजर आए और यात्रियों को घंटों तक परेशानी का सामना करना पड़ा।

करंट से युवक की मौत

परिजनों ने मुआवजे और निष्पक्ष जांच की मांग की

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी
भिवंडी शहर में बुधवार को करंट लगने से 26 वर्षीय युवक को दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान मुस्तफा रज्जाफ शेख (26) के रूप में हुई है, जो चौहान कॉलोनी, हनुमान मंदिर के सामने का निवासी था। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

बर्तन लेने पहुंचा था मंदिर
जानकारी के अनुसार, मुस्तफा स्थानीय गोपाल स्वीट हाउस के शाही शायी एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में कैटरिंग का कार्य करता था। कार्यक्रमों में उपयोग होने वाले बर्तन और अन्य सामान एक मंदिर परिसर में रखे जाते थे। बुधवार को भी वह एक कार्यक्रम के लिए बर्तन और अन्य सामग्री लेने मंदिर पहुंचा था। इसी दौरान वह क्षति रूप से खुले बिजली के तार की चपेट में आ गया, जिससे उसे जोरदार करंट लगा। गंभीर हालत में उसे तत्काल स्वीगंथी इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शुरु की जांच
प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगा रही है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही हुई थी या नहीं। जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मीरा-भायंदर में 86 मिमी बारिश

बारिश के बीच तीन जगह पेड़ गिरे मीरा रोड में बिजली का खंभा भी ढहा

हिंदमाता संवाददाता @ मिरा-भायंदर
मिरा-भायंदर शहर में बुधवार को लगभग 86 मिमी बारिश दर्ज की गई। लगातार हुई बारिश से लोगों को उमस और गर्मी से बड़ी राहत मिली। पिछले दो दिनों से ठाणे और पालघर जिलों में मानसून सक्रिय है। मंगलवार आधी रात से शुरू हुई बारिश बुधवार सुबह तेज हो गई। दिनभर रुक-रुककर तेज और हल्की बारिश होती रही, जिससे पूरे दिन धूप नहीं निकली और तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई।

जलभराव नहीं, निगम रहा सतर्क
महापालिका के आपदा प्रबंधन कक्ष के अनुसार बुधवार शाम तक करीब 86 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई, जबकि शाम के बाद हुई बारिश का अंकड़ा इसमें शामिल नहीं है। बारिश की तीव्रता नियंत्रित रहने और समुद्र में ज्वार की ऊंचाई कम होने से शहर में बड़े पैमाने पर जलभराव की स्थिति नहीं बनी। हालांकि, महापालिका ने जलभराव वाले संवेदनशील क्षेत्रों में पंप चालू रखकर एहतियाती व्यवस्था बनाए रखी।

बिजली का खंभा भी गिरा
मीरा रोड के पैनकरपाड़ा इलाके में सड़क किनारे लगा बिजली का खंभा बारिश के दौरान गिर पड़ा। सूचना मिलते ही अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और खंभे को हटाया। इसके बाद बिजली वितरण कंपनी के कर्मचारियों की मदद से विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी गई। अधिकारियों ने बताया कि पूरे शहर में हालात नियंत्रण में हैं और किसी बड़ी अग्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है।

तीन क्लीनिकों पर छाप
निरीक्षण के दौरान पटेलनगर स्थित डॉ. शफीन खान क्लीनिक, गणेशनगर के आशापुरा क्लीनिक और पद्मानगर के गाजेंगी क्लीनिक पर छापेमारी की गई। जांच में गाजेंगी क्लीनिक से बड़ी मात्रा में एलोपैथिक इंजेक्शन और दवाओं का अवैध भंडार मिला। इसे गंभीर उल्लंघन मानते हुए संबंधित व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई।

78 बोगस डॉक्टरों पर कार्रवाई
दोरे के बाद महानगरपालिका मुख्यालय के सभागार में उपनिदेशक की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। इसमें मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी, सभी 20 नागरिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारी और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में बताया गया कि भिवंडी शहर में अवैध रूप से डॉक्टर करने वाले 78 बोगस डॉक्टरों के खिलाफ महाराष्ट्र मेडिकल प्रैक्टीशनर एक्ट-1961 की धारा 33 और 36 तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत विभिन्न पुलिस थानों में मामले दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा चुकी है।

बारिश का औसतन 81.25 मिमी वर्षा दर्ज
महानगरपालिका के अनुसार, मंगलवार शाम से बुधवार सुबह तक शहर में औसतन 81.25 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं महानगरपालिका के आठों प्रशासनिक विभागों में कुल मिलाकर करीब 650 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। सबसे अधिक बारिश पेल्हार और मांडवी क्षेत्रों में हुई, जहां जलभराव की स्थिति सबसे गंभीर रही।

पेड़ गिरने की घटनाएं, प्रशासन ने शुरु किया राहत कार्य

लगातार बारिश के बीच शहर के विभिन्न हिस्सों में पेड़ गिरने की घटनाएं भी सामने आईं। हालांकि प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रास्तों को साफ कराया। जलभराव वाले इलाकों में हाई-कैपेसिटी पंपों के जरिए पानी निकालने का काम युद्धस्तर पर जारी है। महानगरपालिका प्रशासन ने नागरिकों से अनावश्यक यात्रा से बचने और सतर्क रहने की अपील की है।

बारिश में इमारत का हिस्सा गिरा

चार परिवारों को सुरक्षित निकाला गया

हिंदमाता संवाददाता @ मुंठा
तेज बारिश के दौरान मुंठा के एमटीएनएल कंपाउंड स्थित ग्राउंड फ्लस दो मंजिला हिना कर्टेज इमारत का एक हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। तेज धमाके की आवाज सुनकर इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। घटना के समय इमारत में मौजूद लोगों को स्थानीय नागरिकों ने तुरंत सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद नगर निगम अधिकारियों को घटना की सूचना दी गई।

चार परिवारों को कराया गया सुरक्षित बाहर
सूचना मिलते ही मनपा अधिकारी, आपदा प्रबंधन और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। मनपा अधिकारी प्रशांत वाघवीरे के अनुसार इमारत की करीब 35 वर्ष पुरानी हिना कर्टेज इमारत का एक हिस्सा लगातार बारिश के कारण गिर गया। इमारत में रहने वाले चार परिवारों को तत्काल सुरक्षित बाहर निकालकर भवन खाली करा दिया गया।

एफडीए अधिकारी बनकर रंगदारी का आरोप

भिवंडी के होटल संचालक से 50 हजार रुपए मांगने का मामला, दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी
भिवंडी में नकली एफडीए अधिकारी बनकर वसूली करने का एक और मामला सामने आया है। धामणकर नाका स्थित एक होटल संचालक से खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) और पुलिस कार्रवाई का डर दिखाकर 50 हजार रुपए की कथित रंगदारी मांगने का आरोप लगा है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चाय पाउडर को लेकर दी धमकी
पुलिस के अनुसार, गौरीपाड़ा निवासी होटल व्यवसायी मोहम्मद मतलिफ आलम हसीर शेख (43) धामणकर नाका स्थित साईंडीय होटल का संचालन करते हैं। कुछ दिन पहले सिराज उर्फ फिरोज नाम बताने वाला एक व्यक्ति होटल पहुंचा और चाय की गुणवत्ता की सरहना करते हुए चाय पाउडर की जानकारी लेने लगा। बाद में वह कई बार होटल आया और चाय पाउडर मांगने लगा। शिकायत के मुताबिक, 30 जून 2026 को उसने होटल में इस्तेमाल हो रहे चाय पाउडर को मिलाटरी बताते हुए एफडीए और पुलिस कार्रवाई करने की धमकी देकर 50 हजार रुपए की मांग की।

पहले भी सामने आ चुके हैं ऐसे मामले
इससे पहले शांतिनगर पुलिस नकली एफडीए अधिकारी बनकर वसूली करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शहर में एफडीए का कार्यालय नहीं होने का फायदा उठाकर कुछ लोग दुकानदारों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को कार्रवाई का भय दिखाकर अवैध वसूली कर रहे हैं, जिससे व्यापारियों में भय का माहौल बना हुआ है।

33 डॉक्टरों की डिग्रियां संदेह के घेरे में
बैठक में सभी 20 नागरिक स्वास्थ्य केंद्रों से उनके क्षेत्र में प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों की सूची मांगी गई थी। इसके आधार पर कुल 452 डॉक्टरों की सूची तैयार की गई। प्रारंभिक जांच में इनमें से 33 डॉक्टरों की मेडिकल डिग्रियों पर संदेह जाताया गया है। उपनिदेशक ने इन सभी मामलों में तत्काल जांच कर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और एम्पवोर्सी टीकाकरण अभियान में तेजी लाने पर भी जोर दिया गया।

अभियान रहेगा जारी
महानगरपालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भिवंडी में बोगस डॉक्टरों के खिलाफ अभियान आगे भी और अधिक सख्ती से जारी रहेगा। प्रशासन ने शहर के सभी वैध एवं पंजीकृत डॉक्टरों से इस अभियान में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

शॉर्ट स्टोरी

तुलजाभवानी मंदिर की भूमि घोटाले की होगी जांच

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई
तुलजापुर स्थित श्री तुलजाभवानी देवी मंदिर की 4,121 एकड़ से अधिक इनामी भूमि के कथित अवैध हस्तांतरण और बिक्री के मामले की अब राज्य सरकार जांच करएगी। महाराष्ट्र मंदिर महासंघ द्वारा सौंपे गए जापान पर संज्ञान लेते हुए राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने धाराशिव के जिलाधिकारी को तत्काल जांच समिति गठित कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। महासंघ के राष्ट्रीय समन्वयक सुनील घनवट ने आरोप लगाया है कि तत्कालीन निजाम सरकार द्वारा मंदिर को दी गई 1,666.14 हेक्टेयर (करीब 4,121 एकड़) इनामी भूमि का कानून के विपरीत अवैध हस्तांतरण किया गया। आरोप है कि राज्य सरकार अधिकारियों और अन्य लोगों की मिलीभगत से हजारों एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया गया। संस्थान के नाम दर्ज भूमि का वास्तविक कब्जा निजी व्यक्तियों के पास होने तथा ट्रस्ट की सैकड़ों एकड़ भूमि को भी निजाम का उल्लंघन कर निजी नामों पर दर्ज किए जाने का दावा किया गया है। महाराष्ट्र मंदिर महासंघ ने इस मामले में तत्कालीन अधिकारियों, ट्रस्टियों और अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। महासंघ का कहना है कि सरकार सभी अवैध खरीद-बिक्री, भू-अभिलेख (7/12) की प्रविष्टियां निरस्त कर पूरी 1,666.14 हेक्टेयर भूमि को पुनः श्री तुलजाभवानी मंदिर के प्रत्यक्ष नियंत्रण में सौंपने की जरूरत है।

निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर

हिंदमाता संवाददाता @ भायंदर
सामाजिक सांस्कृतिक संगठन युथ सोशल वेलफेयर एसोसिएशन (युथ फोरम), के तत्वावधान में शिविर में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा व मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन भवितवेदात हॉस्पिटल के साथ किया गया है।

फोरम के महासचिव अतुल गोयल व राहुल यादव ने बताया कि शिविर शुक्रवार 3 जुलाई को सुबह 09 से दोपहर 01 बजे तक भायंदर (वेस्ट) स्थित संगीता कॉम्पलेक्स, श्री भटेवा पार्ष्वनाथ जैन मंदिर के पास, खाऊ गली के सामने होगा। भवितवेदात हॉस्पिटल की ओर से मोतियाबिंद ऑपरेशन निशुल्क किये जायेंगे। शिविर में नेत्र जांच, डायबिटीज, थाइरोइड, ब्लड प्रेशर, दांतों की जांच की जाएगी व डॉक्टरों की सलाह पर जरूरत पड़ पर जारी है। महासंघ का कहना है कि शिविर में कस्टरी हॉस्पिटल व खुशी डेंटल केंद्र, हेल्थ मैनेजमेंट की विनोता मिश्रा सेवाएं देगी। फोरम के अध्यक्ष दीपक जैन व निर्मला माखीजा ने लोगों से लाभ लेने की अपील की है। अधिक जानकारी के लिए राहुल यादव 9004242210 / पर संपर्क करें।आगामी शिविर 07 अगस्त को होगा।

दिवंगत समाजसेवी स्व.बच्चाराम रुपचंदनी को दी गई श्रद्धांजलि

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर
उल्हासनगर शहर के भाजपा वरिष्ठ नेता व समाजसेवी व कई बार नगरसेवक रह चुके स्व. बच्चाराम रुपचंदनी को बुधवार साईं मीर पूरी आश्रम में 6 वी पुण्यतिथि पर याद किया गया। बुधवार 1 जुलाई को पंजाबी कॉलनी साईं मीर पूरी आश्रम में जन जागृति काउंसेलर रजि.द्वारा एक शोक सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजित भटिया व संस्था के अध्यक्ष ठाकुर जितवानी ने किया। मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों ने स्व. बच्चाराम रुपचंदनी के आत्मा की शांति के लिए दो लाभ लेने की अपील की है। कार्यक्रम पर पुष्प गुच्छ अर्पित कर ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर अजित भटिया, सुरेश चौहान, दिलीप पुरखानी, राजल गुरबानी,कमलेश चौतहनी सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

बारिश से हाईवे पर जाम

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी
बारिश शुरू होते ही भिवंडी में यातायात व्यवस्था बुरमरा गई। गुरुवार सुबह से हो रही रिमडिम बारिश के बीच मुंबई-नाशिक राजमार्ग पर ठाणे-भिवंडी बाईपास रोड पर भीषण ट्रैफिक जाम लग गया। रांजनेली नाका, पिंपलास, मानकोली नाका से लेकर खारगेव टोल नाके तक वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। ठाणे-भिवंडी बाईपास रोड पर आठ लेन सड़क निर्माण और कई स्थानी पर प्लाईओवर के निर्माण कार्य के कारण सड़क संकरी हो गई है। बारिश के चलते पहले से धीमी गति से चल रहा यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। करीब 15 किलोमीटर की दूरी तय करने में वाहन चालकों को दो से तीन घंटे तक का समय लगने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस के जवान विभिन्न स्थानों पर यातायात सुचारु करने में जुटे हैं। हालांकि, भारी जाम का असर वाहन चालकों के साथ-साथ नौकरांपिशा लोगों और अन्य यात्रियों पर भी पड़ा, जिससे उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी देर हुई।

विधानसभा में गूंजा फेरीवालों का मुद्दा

हिंदमाता संवाददाता @ विरार
महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र में वसई विधानसभा क्षेत्र की भाजपा विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने वसई-विरार महानगरपालिका क्षेत्र में बढ़ते अवैध फेरीवालों, सड़कों पर लगने वाले साप्ताहिक बाजारों और इनके पीछे सक्रिय संभावित संगठित रैकेट का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सरकार से शहर में उदय फेरीवाला जौन लागू करने तथा अथर्व गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। विधायक ने सदन में कहा कि वसई-विरार के कई क्षेत्रों में हाथगड़ी संचालक, फल विक्रेता और अन्य फेरीवाले बिना वैध लाइसेंस और पहचान पत्र के व्यवसाय कर रहे हैं। संबंधित लोगों के दस्तावेजों का समुचित सत्यापन नहीं होने से नागरिकों की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि वालीव, सातीवली, एवरशाइन सिटी, आचोले, गाला नगर और पापड़ी सहित कई इलाकों में साप्ताहिक बाजारों के कारण भारी ट्रैफिक जाम लगता है। इससे दोहाडिया वाहन, ऑटो रिक्शा और एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही भी प्रभावित होती है। स्नेहा दुबे पंडित ने राज्य सरकार से वसई-विरार महानगरपालिका को तत्काल फेरीवाला जौन लागू करने के निर्देश देने और अवैध फेरीवालों, गैरकानूनी साप्ताहिक बाजारों तथा इनके पीछे सक्रिय संभावित रैकेट के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि शहर की सुरक्षा, सुव्यवस्था और यातायात व्यवस्था को लेकर वह आगे भी सदन में आवाज उठाती रहेंगी।

लोहे की रॉड में फंसा चालक बचाया

हिंदमाता संवाददाता @ वसई
मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर नायगांव (पूर्व) स्थित मालजी पाड़ा, लोढ़ा धाम के सामने मंगलवार तड़के हुए सड़क हादसे में डको वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के दौरान लोहे की रॉड उसके पैर में आर-पार घुस गई, जिससे वह वाहन के केंबिन में फंस गया। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सफल रेस्क्यू अभियान चलाकर चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, हादसे की सूचना मिलते ही वसई फाटा अग्निशमन केंद्र की टीम घटनास्थल पर पहुंची। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आलोक मुख्य अग्निशमन केंद्र से भी अतिरिक्त रेस्क्यू टीम बुलाई गई। डको वाहन (एमएच-04-जेड-7804) के चालक प्रीतम क्हाण (25) के पैर में फंसी लोहे की रॉड को खेड़र मशीन से काटकर उसे सवाधानापूर्वक बाहर निकाला गया। प्राथमिक उपचार के बाद घायल को परिजनों के हवाले कर दिया गया। रेस्क्यू अभियान में दोनों अग्निशमन केंद्रों के अधिकारियों और जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खुद को एफडीए का अधिकारी बताने वाले पर एक्शन

महिला और पुरुष के खिलाफ केस दर्ज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। मुंबई की बोरीवली पुलिस ने खुद को एफडीए का अधिकारी बताकर होटल पर रौड करने वाले एक महिला और पुरुष के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस जांच में आरोपियों की पहचान बोरीवली पश्चिम के एकसर रोड निवासी विजय बबन जाधव (42) और वसई निवासी स्वाति विक्रान्त तुलसंकर (30) के रूप में हुई है। आइए जानते हैं कि इस मामले के बारे में अब तक क्या जानकारी सामने आई है।



होटल प्रबंधन से पैसे ऐंठने की कोशिश

इस मामले को लेकर पुलिस की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, दोनों आरोपियों ने खुद को सरकारी अधिकारी बताकर एक होटल में एंटी की और 'भारत सरकार' अंकित नकली सरकारी प्रतीक वाली गाड़ी का इस्तेमाल कर कर्मचारियों पर दबाव बनाने का प्रयास किया। आरोप लगाया गया है कि दोनों ने होटल की जांच और कार्रवाई का भय दिखाकर होटल प्रबंधन से पैसे ऐंठने की भी कोशिश की।

मुरजी पटेल बोले- 'टाइगर ऑपरेशन-3' शुरू, आगे 'टाइगर ऑपरेशन-4' भी देखने को मिलेगा

फडणवीस के करीबी... शिंदे की भाषा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

शिवसेना विधायक मुजी पटेल ने दावा किया है कि महाराष्ट्र में 'टाइगर ऑपरेशन' की श्रृंखला जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि लोग लोकप्रिय नेता एकनाथ शिंदे को बहुत उम्मीदों से देखते हैं और पूरे राज्य के प्रतिनिधि के रूप में उनके नेतृत्व को स्वीकार करते हैं। मुंबई में आईएनएस से बात करते हुए मुजी पटेल ने कहा कि कल सचिन अहीर के रूप में उद्भव

टाकरे की शिवसेना को बस एक छोटा सा झटका लगा है। अभी और भी बहुत कुछ होना बाकी है, क्योंकि इसमें विधायक और कॉर्पोरेटर शामिल हैं। 'टाइगर ऑपरेशन-3' कल शुरू हुआ है और आने वाले दिनों में आप 'टाइगर ऑपरेशन-4' भी देखेंगे। उन्होंने आगे कहा कि हमारे साथ यूबीटी के 13 से 14 विधायक हैं। जिस दिन एकनाथ शिंदे तारीख तय करेंगे, वे हमारे साथ आ जाएंगे।

एलपीजी कीमतों पर प्रतिक्रिया

दूसरी ओर, कर्मशियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कटौती पर भाजपा विधायक राम कदम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की।

विपक्ष पर निशाना

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष को अब सड़कों पर खड़े होकर मिठाई बांटनी चाहिए। दाम बढ़ते हैं तो सड़कों पर विशेष करने पहुंच जाते हैं, लेकिन दाम कम होने पर चुप रह जाते हैं।

यूबीटी पर तज

भाजपा विधायक ने कहा कि धीरे-धीरे सभी नेता यूबीटी को छोड़ रहे हैं। लेकिन, आत्मविश्वास करने के बजाय बयान देते हैं कि हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। यह बयान दिखाता है कि धीरे-धीरे यूबीटी की डुबती नाव से सभी उतर जाएंगे।

एनएचएम के 15,010 संविदा कर्मचारियों का समायोजन

1,153 करोड़ का वार्षिक बजट मंजूर

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा कर्मचारियों को महायुति सरकार ने बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने 15,010 कर्मियों के समायोजन पर अपनी अंतिम मुहर लगा दी है। इस ऐतिहासिक फैसले के तहत 10 वर्ष से अधिक की निरंतर सेवा पूरी कर चुके अनुभवी कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से अधिसंख्य पद सुनिश्चित किए गए हैं। इन सभी कर्मचारियों को मुख्यधारा में शामिल करने और उनके सुरक्षित भविष्य के लिए सरकार ने 1,153.60 करोड़ रुपए के भारी-भरकम वार्षिक खर्च को भी हरी झंडी देते हुए मंजूरी दे दी है।



पात्र कर्मचारियों को मिलेंगे सभी तरह के लाभ

पात्र कर्मचारियों को संबंधित पद का न्यूनतम मूल वेतन, महंगाई भता और यात्रा भता मिलेगा। साथ ही वर्तमान वेतन पूरी तरह से सुरक्षित रहेगा। हालांकि उन्हें पदनिर्देश, एसपी, पेंशन या पारिवारिक पेंशन का लाभ नहीं मिलेगा। ये पद व्यक्तिनिष्ठ होंगे और कर्मचारी के सेवानिवृत्त होने, इस्तीफा देने या सेवा समाप्त होने पर स्वतः समाप्त हो जाएंगे। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि भविष्य में एनएचएम में नियुक्तियां मुख्यतः आउटसोर्सिंग या सेवा अनुबंध प्रणाली से की जाएंगी।

हिंदमाता एंकरः मुंबई को मिला सबसे बड़ा हिस्सा

28 मनपाओं को 2,792.84 करोड़ का जीएसटी अनुदान दिया

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य की 28 मनपाओं के लिए एफडीए की श्रेणी में खोलते हुए जीएसटी क्षतिपूर्ति मद से 2,792.84 करोड़ रुपए के अनुदान को मंजूरी दी है। जुलाई 2026 के लिए जारी इस राशि में मुंबई मनपा को 1,294.03 करोड़ रुपए के साथ सबसे बड़ा हिस्सा मिला है। वहीं, सीवर सफाई के लिए हाई कैपेसिटी सक्शन व जेटिंग मशीनों और सेप्टेज सक्शन वाहनों के लिए भी अलग से फंड उपलब्ध कराया गया है। इनकी मदद से शहरी स्वच्छता व्यवस्था और बुनियादी नागरिक सेवाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है। बता दें कि वर्ष 2017 में जीएसटी



लागू होने के बाद चुंगी, एलबीटी, प्रवेश कर और अन्य स्थानीय कर समाप्त कर दिए गए थे। इससे शहरी स्थानीय निकायों को होने वाली राजस्व हानि की भरपाई के लिए महाराष्ट्र जीएसटी अधिनियम-2017 लागू किया गया था, इसी अधिनियम के तहत मनपाओं को प्रतिमाह क्षतिपूर्ति अनुदान दिया जाता है। इसके तहत राज्य सरकार ने राज्य की 28 मनपाओं को वित्तीय मजबूती देने के उद्देश्य से जुलाई 2026 के लिए 2,792.84 करोड़ रुपए के अनुदान को मंजूरी दे दी है। नगर विकास विभाग ने 29 जून को इस संबंध में शासन निर्णय जारी किया।

ठाणे, गुरुवार 2 जुलाई, 2026

पेड़ों का गिरना या फिर बिजली गिरना इंसानों के हाथ में नहीं : शिवसेना मंत्री

मुंबई में बारिश, हादसा और सियासत

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई में चेंबूर बस दुर्घटना पर राजनीति गरमाई हुई है। विपक्ष लगातार फडणवीस सरकार पर हमलावर है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) के आदित्य ठाकरे ने सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि मुंबई में पहली बार बारिश हो रही है। कई वर्षों से बारिश होती आ रही है, लेकिन सरकार को मुंबई की कोई चिंता नहीं है। इनका ध्यान कटौती और है। शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्भव ठाकरे के बेटे आदित्य ने कहा कि हम पहले से अपने अनुभव के आधार पर सरकार को आगाह करते आए हैं कि मानसून से पहले जरूरी तैयारियां की जाएं। सरकार को उन अनुभवों से सीखना चाहिए था। कल जो चेंबूर बस दुखद घटना हुई, वह लापरवाही का नतीजा है। इनका पूरा ध्यान राजनीति करने और सत्ता में ध्वीकरण करने पर है, जनता की सुरक्षा पर नहीं।



सचिन अहिर को लेकर सरकार पर निशाना

आदित्य ठाकरे ने संजय सचिन अहिर को उपसभापति चुने जाने पर भी बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जो लोग बीजेपी के साथ जा रहे हैं, उन्हें उज्जैन और राम मंदिर में हुए कथित भ्रष्टाचार और लूट पर जवाब देना चाहिए। जो भी इन सबके बावजूद बीजेपी के साथ जा रहा है, वह देशहित के खिलाफ खड़ा है। राम मंदिर में जो कथित भ्रष्टाचार हुआ, वह कैसे हुआ, इसकी जांच होनी चाहिए। ऐसे लोगों के साथ शिंदे गुट की गद्दार सेना जा रही है।

55 प्रतिशत कमीशन खाने वाली सरकार

नाना पटोले ने कहा कि कल जो दुर्घटना हुई, उसमें निर्दोष बच्चे की मौत हो गई। सरकार इसकी जिम्मेदारी नहीं ले रही है। हमारी विनती है कि सरकार गुंभी-बहरी हो गई है, भ्रष्टाचार में लगी हुई है। कोर्ट को इस मामले का स्वतः संज्ञान लेना चाहिए। यह 55 प्रतिशत कमीशन खाने वाली सरकार है। इतना बड़ा बहुमत होने के बाद भी जनता की सुनने को तैयार नहीं है।

पेड़ों का गिरना या फिर बिजली गिरना इंसानों के हाथ में नहीं : शिवसेना मंत्री

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और शिवसेना के नेता संजय शिरसाट ने मुंबई में एक स्कूल बस पर पेड़ गिरने से एक छात्र की मौत होने की घटना के बाद कहा कि पेड़ों का गिरना या फिर बिजली गिरना इंसानों के हाथ में नहीं होता। शिरसाट की इस टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया है। सामाजिक न्याय मंत्री ने विवादित टिप्पणी करने के एक दिन बाद बुधवार को सफाई देते हुए कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नगर निकाय को पहले से ही पेड़ों की उचित छंटाई सुनिश्चित करनी चाहिए थी। शिरसाट की टिप्पणियों पर विपक्षी कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकापा)-शरदचंद्र पवार (शपा) ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। कांग्रेस नेता नाना पटोले ने मंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि ये टिप्पणियां सरकार के भीतर मौजूद अहंकार के स्तर को दर्शाती हैं।

आर्थर रोड जेल के पुनर्विकास में कैदियों की भीड़ बनी सबसे बड़ी चुनौती

बहुमंजिला जेल की तैयारी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की ऐतिहासिक और 100 साल पुरानी आर्थर रोड जेल (मुंबई सेंट्रल जेल) के पुनर्विकास का महत्वाकांक्षी प्रस्ताव एक अनोखी चुनौती से जूझ रहा है। जेल प्रशासन जिस भीड़भाड़ की गंभीर समस्या को खत्म करने के लिए इसे बहुमंजिला परिसर में बदलना चाहता है। वही भीड़भाड़ इसके पुनर्निर्माण की राह में रोड़ा बन गई है। वर्तमान में, मात्र 999 कैदियों की स्वीकृत क्षमता वाली इस छह ंकड़ की जेल में, क्षमता से तीन गुना अधिक यानी 3,365 कैदी बंद हैं। इन जेल में 20 बैक और कोठारिया हैं, जिनमें उच्च सुरक्षा वाली अंडे के आकार की कोठारियां भी शामिल हैं, जो अंडा कोठरी कहलाती हैं।



सुरक्षा की चिंता और चरणों में काम का विकल्प

गृह राज्य मंत्री योगेश कदम की अध्यक्षता में पिछले एक साल से इस पुनर्विकास पर लगातार बैठकें हो रही हैं। शुरुआत में तीन आठ मंजिला इमारत बनाने का प्रस्ताव था। लेकिन जेल विभाग ने सुरक्षा और डिजाइन संबंधी कठिनाियां बताईं। चूंकि जेल विभाग सुरक्षा कारणों से हजारों कैदियों की मौजूदगी के बीच भारी निर्माण कार्य नहीं करना चाहता। इसलिए अब इस काम को चरणों में करने पर विचार किया जा रहा है।

पड़ोसी जेलें भी फूल, मानखुर्द से समाधान की उम्मीद

कैदियों के केवल एक हिस्से को स्थानांतरित कर निर्माण शुरू किया जा सकेगा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि पुनर्निर्माण के दौरान इन कैदियों को अस्थायी रूप से कहीं रखा जाए? ठाणे, तलोजा और कल्याण जैसी शहर की अन्य पड़ोसी जेलें भी पहले से ही ओवरलोड हैं। मानखुर्द के पूर्वी उपनगर में 11 एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाकर जेल प्रशासन को सौंप दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, महाराष्ट्र शहर की इस पहली बहुमंजिला जेल के निर्माण में कैदियों की सुरक्षा, अवालीती सुनवाई, मुलाकातों और खुले स्थान में आवाजाही जैसे कई महत्वपूर्ण पहलुओं को ध्यान में रखा होगा। मानखुर्द में नई जेल का निर्माण अगले 2-3 वर्षों में तेज होने की उम्मीद है। जिसके बाद ही आर्थर रोड जेल के मेकओवर का रास्ता पूरी तरह साफ हो सकेगा।

शादीशुदा महिला से गैंगरेप, साथियों ने बनाया वीडियो, 14 अरेस्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ जलगांव

जलगांव जिले से एक बेहद गंभीर और शर्मनाक घटना सामने आई है। फतेहपुर थाना क्षेत्र में 40 वर्षीय शादीशुदा महिला के साथ हैवानियत की हद पार कर दी गई। उसके साथ दो दरिंदों ने गैंगरेप किया। वो चीखती रही और रहम की गुहार लगाती रही। लेकिन वहां मौजूद 13 हैवान वीडियो बनाते रहे। पुलिस ने इस मामले में 15 आरोपियों में से 14 को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, एक आरोपी अब भी फरार है,

25 निकायों के अनुदान से हर महीने 1.68 करोड़ की कटौती

सीवर सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए हाई कैपेसिटी सक्शन-जेटिंग मशीनों की खरीद के लिए राज्य सरकार ने 25 शहरी स्थानीय निकायों के जीएसटी अनुदान से हर महीने 1.68 करोड़ रुपए की कटौती करने का फैसला किया है। साथ ही राशि नगर परिषद प्रशासन संचालनालय को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया है। जुलाई 2026 : मानपाओं को मिला अनुदान कुल मंजूर अनुदान 2,792.84 करोड़ मशीन संचालन व रखरखाव 1.68 करोड़ 449 सेप्टेज सक्शन वाहन खरीद 119.25 करोड़ कुल वितरित राशि 2,788.71 करोड़

सेप्टेज सक्शन मुहैया कराने को भी मिलेगी गति

शासन ने स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान के तहत एक लाख से कम आबादी वाली 368 शहरी स्थानीय निकायों को 479 सेप्टेज सक्शन वाहन उपलब्ध कराने की योजना को भी गति दी है। इस परियोजना की कुल लागत 119.75 करोड़ रुपए है, जिसमें 59.88 करोड़ केंद्र सरकार, 52.22 करोड़ राज्य सरकार और 7.65 करोड़ रुपए संबंधित स्थानीय निकायों द्वारा वहन किए जाएंगे। 10 निकायों को 38 वाहन मुहैया करवाए गए हैं। पहली किस्त के रूप में जुलाई के जीएसटी अनुदान से 2.44 करोड़ रुपए की कटौती कर स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान संचालनालय को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया है।

प्रजा फाउंडेशन की रिपोर्ट से बीएमसी बेनकाब

मुंबई में प्रदूषण की शिकायतें 531% बढ़ीं

बीएमसी में केवल लूट का काम किया गया: नाना पटोले

महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने चेंबूर स्कूल बस हादसे पर सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में हमने यह मुद्दा पहले ही उठाया था। सभापति खुद मुंबई के हैं। हमारी बीएमसी देश की सबसे अमीर नगर निगम है, लेकिन उसमें सिर्फ लूट का काम किया गया। राज्य सरकार की तरफ से जो पैसा आता है, उसका यही परिणाम है। जून के आखिर में बारिश शुरू हुई और पहली ही बारिश में मुंबई जाम हो गई। मानसून से पहले जेल पेड़ों की छंटाई और नालों की सफाई होनी चाहिए थी, वह सरकार ने नहीं की।

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई बीएमसी के पर्यावरण संरक्षण और ठोस कचरा प्रबंधन की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। प्रजा फाउंडेशन की वर्ष 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, बीएमसी के बड़े बजट के बावजूद पर्यावरण, स्वच्छता और बुनियादी नागरिक सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एक दशक के दौरान प्रदूषण, कचरा प्रबंधन, जलापूर्ति और वर्षा जल निकासी जैसी मूलभूत सेवाओं से संबंधित समस्याएं काफी बढ़ी हैं।



रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2016 से 2025 के बीच प्रदूषण से संबंधित शिकायतों में 531 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, ठोस कचरा प्रबंधन से जुड़ी शिकायतें 281 प्रतिशत बढ़ी हैं, शहर को कचरा मुक्त बनाने के दावों के बावजूद बीएमसी को 'स्वच्छ संवर्षण 2024-25' में 1-स्टार रेटिंग भी प्राप्त नहीं हो सकी, जिससे स्वच्छता व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। कचरा प्रबंधन की स्थिति भी चिंताजनक बताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई के 87 प्रतिशत बड़े आवासीय परिसरों में स्रोत स्तर पर कचरे का प्रसंस्करण नहीं किया जाता, जिससे कारण प्रतिदिन 6,300 मीट्रिक टन कचरा सीधे ड्रिपिंग ग्राउंड भेजा जा रहा है।

नहीं मिली स्टार रेटिंग

मुंबई शहर की नदियों की स्थिति भी गंभीर बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मीठी नदी में पीकल कोलोफॉर्म (मलजनित बैक्टीरिया) का स्तर निर्धारित मानकों से हजारों गुना अधिक होकर 9,200 एम्पीएन तक पहुंच गया है। इससे यह संकेत मिलता है कि सीवेज शोशन संयंत्रों की कार्यप्रणाली अपेक्षित स्तर पर प्रभावी नहीं है और इस क्षेत्र में किए जा रहे दावों तथा जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर है। पर्यावरण के अलावा बुनियादी नागरिक सेवाओं को लेकर भी स्थिति संतोषजनक नहीं है। पिछले दस वर्षों में जलापूर्ति से संबंधित शिकायतों में 96 प्रतिशत, जबकि वर्षा जल निकासी (ड्रेनेज) से जुड़ी शिकायतों में 88 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। हर वर्ष मानसून के दौरान जलभराव और कई इलाकों में दूषित पानी की आपूर्ति जैसी समस्याओं को भी रिपोर्ट ने गंभीर चिंता का विषय बताया है।

तत्काल प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता

रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व बीएमसी आयुक्त सिताराम कुटे ने कहा कि बीएमसी के कामकाज में नागरिकों की बढ़ती भागीदारी एक सकारात्मक संकेत है। लोगों द्वारा अपनी समस्याएं अधिक संख्या में प्रशासन तक पहुंचाई जा रही हैं, इसलिए शिकायतों में वृद्धि दिखाई दे रही है। हालांकि, प्रदूषण और ठोस कचरा प्रबंधन से जुड़ी शिकायतें बेहद गंभीर हैं और इन पर मुंबई मनपा को तत्काल प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। प्रजा फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मिमिंद हम्ब्रे ने कहा कि नागरिकों को स्थानीय समस्याओं को सक्रिय रूप से दर्ज कराना चाहिए।

मुंबई लोकल ट्रेन में चाकू से हत्या के बाद जागा प्रशासन

ट्रेनों में बढ़ते अपराध पर नकेल कसने की तैयारी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेनों में सफर करने वाले लाखों यात्रियों की सुरक्षा को लेकर महाराष्ट्र सरकार और पुलिस प्रशासन अब पूरी तरह मुस्तेद हो गया है। पिछले छह महीनों के भीतर चलती लोकल ट्रेनों में दो बेकसूर यात्रियों की निर्मम हत्या की वारदातों ने रेलवे सुरक्षा के दावों की पोल खोलकर रख दी थी। इस गंभीर स्थिति का संज्ञान लेते हुए महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक सदानंद दाते ने रेलवे प्रशासन को मुंबई उपनगरीय रेल नेटवर्क के 150 रेलवे स्टेशनों का तत्काल व्यापक सुरक्षा ऑडिट कराने के कड़े निर्देश जारी किए हैं। मंगलवार (30 जून 2026) को हुई एक हाई-लेवल मीटिंग में डीजीपी ने साफ लफ्जों में कहा कि आम यात्रियों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सुरक्षा प्रणाली को पूरी तरह अपग्रेड किया जाएगा।



मामूली विवादों में हो रही हत्याएं

इस उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से हाल ही में चर्चित-नालासोपारा लोकल ट्रेन में हुई दिल दहला देने वाली वारदात पर गहन चर्चा की गई। इस घटना में ट्रेन का दरवाजा बंद करने और खोलने जैसी मामूली बात को लेकर सह-यात्रियों के बीच विवाद हुआ था, जो देखे की देखते इतना हिंसक हो गया कि एक यात्री को अपनी जान गंवानी पड़ी। इस तह की बार-बार हो रही घटनाओं ने यह साबित कर दिया है कि लोकल ट्रेनों के डिब्बों और प्लेटफॉर्म पर तत्काल सुरक्षा बढ़ाने की भारी जरूरत है। डीजीपी सदानंद दाते ने इसी खतरे को भांपते हुए निर्धारित समय से पहले ही यह विशेष आपातकालीन बैठक बुलाई।

150 स्टेशनों का होगा सुरक्षा ऑडिट, पैनिंग बटन होगा एक्टिव

प्रशासनिक निर्णय के अनुसार, मुंबई उपनगरीय नेटवर्क के तहत आने वाले पश्चिम रेलवे के 42 और मध्य रेलवे के 108 सबसे व्यस्त स्टेशनों की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से ऑडिट किया जाएगा। डीजीपी ने निर्देश दिए हैं कि जिन स्टेशनों पर यात्रियों का फुटफॉल सबसे ज्यादा रहता है, वहां सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती की जाए। इसके साथ ही, स्टेशनों के मुख्य एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स पर मेटल डिटेक्टर और अन्य आधुनिक जांच उपकरणों को दुरुस्त किया जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लोकल ट्रेनों में महिला यात्रियों की सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए महिला कोच के बाहर और अंदर लगाए जा रहे पैनिंग बटनों को जल्द से जल्द पूरी तरह सक्रिय करने का आदेश दिया गया है। मुंबई लोकल को पूरी तरह अंधेरा और हाई-टेक बनाने के लिए रेलवे अब पारंपरिक सीसीटीवी कैमरों को बदलने जा रही है। नए प्लान के मुताबिक, अब सभी प्रमुख स्टेशनों पर 'फेशियल रिकग्निशन' (चेहरा पहचानने वाली) तकनीक से लैस आधुनिक कैमरे लगाए जाएंगे।

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, समय बदला, नाम बदले, मगर शान वही

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, समय बदला, नाम बदले, मगर शान वही

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

भारत की विरासत सिर्फ इतिहास की किताबों में नहीं, बल्कि हमारे संस्कारों, हमारी मिट्टी और हमारे किलों की दीवारों में आज भी जिंदा है। यह वो धरती है, जहां हर हर किला और हर इमारत कोई कहानी कहती है। यह गाथा होती है वीरता, आत्मसम्मान और संस्कृति की। इसी अमिट गाथाओं से से एक है, मुंबई का छत्रपति शिवाजी टर्मिनस। छत्रपति शिवाजी टर्मिनस के लिए 2 जुलाई 2004 की तारीख सबसे अहम मायने रखती है, क्योंकि इस दिन छत्रपति शिवाजी टर्मिनस स्टेशन को यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति की ओर से विश्व धरोहर स्थान घोषित किया गया था। पूरी इमारत का ढांचा आज भी वैसा ही है जैसा पहले था। इसका बाहरी हिस्सा, बाहर से दिखने वाला रूप और इस्तेमाल का तरीका ओरिजिनल है। एक दौर था, जब मुंबई में छत्रपति शिवाजी टर्मिनस को विकटोरीयन टर्मिनस स्टेशन के रूप में जाना जाता था। यह इमारत भारत में विकटोरीयन गोंधिका वास्तुकला के पुनरुद्धार का एक शानदार उदाहरण है, जिसमें भारतीय पारंपरिक वास्तुकला से प्रेरित तत्वों का मिश्रण है।

इसका निर्माण ब्रिटिश इंजीनियर फ्रेडरिक विलियम स्टोवर्स की देखरेख में पूरा हुआ था। नए 'इन्फ्रेडिबल इंडिया' की रिपोर्ट कहती है कि स्टेशन को बनाने में 10 साल लगे और कुल 260,000 स्टर्लिंग पाउंड का खर्च आया। भारत की पहली ट्रेन 1853 में ठाणे और बोरीबंदर के बीच चली थी। 1853 से 1887 तक इस स्टेशन को बोरीबंदर स्टेशन के नाम से जाना जाता था। 1887 से 1996 तक इसका नाम विकटोरीयन टर्मिनस था और फिर 1996 से 2017 तक इसका नाम बदलकर छत्रपति शिवाजी टर्मिनस कर दिया गया। 2017 में, इसे इसका मौजूदा नाम 'छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस' मिला।

विचार प्रवाह



धन-समृद्धि से युक्त बड़े बड़े राज्यों के राजा-महाराजाओं की तुलना भी उस चींटी से नहीं की जा सकती है जिसमें में ईश्वर का प्रेम भरा हो.

- श्री गुरु नानक देव

संपादकीय

व्यर्थ का विरोध पत्र

मतदाता सूची किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला होती है। यदि इसमें त्रुटियां रह जाएं, फर्जी नाम जुड़े हों या पात्र मतदाताओं के नाम छूट जाएं, तो चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। यही कारण है कि समय-समय पर चुनाव आयोग विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से मतदाता सूचियों को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने का कार्य करता है। ऐसे में इस प्रक्रिया का विरोध करने के बजाय उसके निष्पक्ष और पारदर्शी क्रियान्वयन पर रचनात्मक सुझाव दिए जाने चाहिए। लेकिन हाल के दिनों में 23 विपक्षी दलों द्वारा एसआईआर के विरोध में भारत के प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखना इस दिशा में एक अनावश्यक राजनीतिक कदम प्रतीत होता है। विपक्ष का यह कदम ऐसे समय सामने आया है, जब सर्वोच्च न्यायालय पहले ही एसआईआर की प्रक्रिया और चुनाव आयोग के अधिकारों पर अपना स्पष्ट मत व्यक्त कर चुका है। न्यायालय ने चुनाव आयोग को मतदाता सूची के पुनरीक्षण का संवैधानिक अधिकार माना है। ऐसे में उसी विषय पर प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखना यह प्रश्न खड़ा करता है कि इसका वास्तविक उद्देश्य क्या है। यदि न्यायिक प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और न्यायालय अपना निर्णय दे चुका है, तो पत्राचार के माध्यम से उसी विषय को फिर से उठाने का औचित्य सहज समझ में नहीं आता। एसआईआर को लेकर सबसे अधिक विवाद बिहार में देखने को मिला था। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से उनके समर्थक मतदाताओं के नाम जानबूझकर हटाए जा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों के समर्थन में कोई ठोस प्रमाण सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत नहीं किए जा सके। न ही ऐसे मामलों की व्यापक सूची सामने आई, जिनसे यह सिद्ध हो सके कि पात्र मतदाताओं के नाम व्यवस्थित रूप से हटाए गए हैं। आरोप गंभीर अवश्य थे, लेकिन उनके समर्थन में अपेक्षित तथ्य सामने नहीं आ सके। बिहार में इस मुद्दे पर धरना-प्रदर्शन और राजनीतिक अभियान भी चलाए गए, लेकिन वह विषय आम मतदाताओं के बीच अपेक्षित प्रभाव नहीं छोड़ सका। इसका एक कारण यह भी माना गया कि लोगों को आरोपों के पीछे पर्याप्त तथ्य दिखाई नहीं दिए। बाद के चुनाव परिणामों के बाद भी विपक्ष ने इस मुद्दे को समाप्त करने के बजाय लगातार उठाना जारी रखा और इसे चुनावी विमर्श का हिस्सा बनाए रखा। इसके बाद जिन राज्यों में चुनाव हुए, वहां भी एसआईआर की प्रक्रिया अनपढ़ाई गई। हालांकि विपक्ष ने हर राज्य में समान प्रतिक्रिया नहीं दी। पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में इस प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए, जबकि केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में इसे लेकर अपेक्षाकृत मौन रहा। इससे यह धारणा बनी कि विरोध का स्वर चुनावी परिणामों और राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार बदलता रहा। लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि किसी भी प्रक्रिया का मूल्यांकन समान मानदंडों पर किया जाए, न कि राजनीतिक लाभ-हानि के आधार पर। विपक्षी दलों ने एसआईआर के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय का भी दरवाजा खटखटाया था। न्यायालय ने भी यह सिद्ध नहीं हो सका कि चुनाव आयोग अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी का निर्वहन नियमों के विपरीत कर रहा है। जब सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग के अधिकार और प्रक्रिया को वैध माना, तब उसके बाद उसी विषय पर प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखना न्यायिक प्रक्रिया से अधिक राजनीतिक संदेश देने का प्रयास प्रतीत होता है। यह भी ध्यान रखना होगा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण कोई नई व्यवस्था नहीं है। चुनाव आयोग समय-समय पर यह कार्य करता रहा है ताकि मृत व्यक्तियों के नाम हटाए जा सकें, स्थानांतरित हो चुके मतदाताओं का विवरण अद्यतन हो तथा नए पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। यदि यह प्रक्रिया नियमित रूप से न हो तो चुनावों की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। इसलिए एसआईआर को लोकतांत्रिक व्यवस्था का आवश्यक प्रशासनिक कार्य माना जाना चाहिए। निस्संदेह यदि किसी नागरिक का नाम अनुचित ढंग से हटाया जाता है या किसी स्तर पर अनियमितता होती है, तो उसके लिए कानूनी और प्रशासनिक उपाय उपलब्ध हैं। ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोष पाए जाने पर सुधारात्मक कार्रवाई भी होनी चाहिए। किंतु पूरे पुनरीक्षण अभियान को बिना ठोस प्रमाण के संदेह के घेर में खड़ा करना लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को कमजोर कर सकता है। लोकतंत्र में चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर विश्वास बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों की समान जिम्मेदारी है। असहमति और आलोचना लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं, लेकिन वे तथ्यों और प्रमाणों पर आधारित हों तो अधिक प्रभावी और विश्वसनीय होती हैं। मतदाता सूची का शुद्धीकरण स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की बुनियादी आवश्यकता है। इसलिए इस प्रक्रिया का विरोध करने के बजाय इसे अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने पर बल देना लोकतंत्र और मतदाताओं-दोनों के हित में होगा।

आज का इतिहास



■ 1924 में पेरिस ओलंपिक में अंतरराष्ट्रीय खेल समिति द्वारा घोषित किया गया था।

■ 'विश्व यूएफओ दिवस' भी मनाया जाता है, इसे 1947 में हुए विश्व यूएफओ दिवस या उड़नतश्तरी के क्रैश होने की याद में मनाया जाता है।

■ 1712 में 'ब्रिटेन के 'थॉमस सेवरी' ने पहले 'भाप के इंजन' का पेटेंट हासिल किया था।

■ 1843 में 'होम्योपैथी का अविष्कार' करने वाले जर्मन निवासी 'डॉ.क्रिश्चियन फ्राइडरिक स्म्यूल् हानेमान' का निधन हुआ था। होम्योपैथी दवाएं भारत में बहुत लोकप्रिय हैं। हालांकि जर्मनी में होम्योपैथी पर अभी भी बहस छिड़ी हुई है क्योंकि यहां के चिकित्सकों का कहना है बहुत बार ये दवाइयां काम नहीं करती और मरीज सिर्फ 'प्लासिबो इफेक्ट' के कारण ठीक हो जाते हैं।

■ 1897 में इतालवी वैज्ञानिक 'माकोनी' ने लंदन में 'रेडियो' का पेटेंट कराया था। रेडियो को 5 करोड़ लोगों तक पहुंचने में सिर्फ 38 साल लगे थे।

■ 1950 में भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक 'यूसुफ जफर मेहरअली' का निधन हुआ था, उन्हें स्वतंत्रता संग्राम में अपने योगदान के कारण करीब 8 बार जेल जाना पड़ा था।

■ 1962 में अमेरिका के अर्कोसिस राज्य में 'बॉल-मार्ट' कंपनी का पहला स्टोर खोला गया था। आपकी जानकारी के लिए बता दें, कि भारत की ई-कॉमर्स वेबसाइट फ्लिपकार्ट इसी ने खरीदी है।

■ 1972 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के राष्ट्रपति जुल्फीकार भुट्टो के बीच 'शिमला समझौते' पर हस्ताक्षर हुए थे, इसमें तय हुआ कि दोनों एक दूसरे के विरुद्ध न तो कोई बल प्रयोग करेंगे न ही एक दूसरे की राजनीतिक स्वतंत्रता में कोई हस्तक्षेप करेंगे।

गुरु की परीक्षा या व्यवस्था की नाकामी?

शिक्षा व्यवस्था, प्रशासन और लाखों अभ्यर्थियों के भविष्य पर खड़े किए गंभीर सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

"गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु..." जैसे श्लोक सुनने में जितने प्रेरक लगते हैं, आज के महाराष्ट्र में शिक्षक का जीवन उतना ही कठिन होता रहा है। एक ओर देश में "अमृताकाल" के दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जिन कंधों पर आने वाली पीढ़ी का भविष्य बनाने की जिम्मेदारी है, उन्हीं शिक्षकों और शिक्षक बनने का सपना देखने वाले लाखों

शिक्षित युवाओं का भविष्य एक लीक हुए प्रश्नपत्र पर आकर अटक गया है। भिंवडी में महा टीईटी परीक्षा से महज 24 घंटे पहले प्रश्नपत्र लीक होने के कारण परीक्षा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करना पड़ा। इस एक घटना ने केवल लगभग छह लाख अभ्यर्थियों को ही प्रभावित नहीं किया, बल्कि राज्य की पूरी शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर फिर से गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

योग्यता की परीक्षा आखिर किसकी?

■ न्यायालय के आदेश के अनुसार जिन शिक्षकों की सेवा अवधि पांच वर्ष से अधिक है, उन्हें अगस्त 2028 तक टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। अन्यथा उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति का सामना करना पड़ सकता है। जिन शिक्षकों की सेवा पांच वर्ष से कम बची है, उनकी नौकरी तो सुरक्षित रहेगी, लेकिन पदोन्नति का रास्ता बंद हो सकता है।

■ इसी के साथ टी.एड. और बी.एड. कर चुके लाखों बेरोजगार युवा वर्षों से रोजगार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वर्ष 2021 के टीईटी परिणामों में हुई गड़बड़ियों के बाद अब परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र लीक हो जाना इस सवाल को और गहरा कर देता है कि आखिर शिक्षकों की योग्यता जांचने वाली व्यवस्था स्वयं कितनी सक्षम और विश्वसनीय है।

अनुभव की कोई कीमत नहीं?

■ मान लीजिए किसी नौकरी के लिए एक युवा से सी सूर्य नमस्कार लगाने को कहा जाए, तो वह संभवतः आसानी से कर लेगा। लेकिन यदि यही शर्त उस व्यक्ति पर लागू कर दी जाए जिसने वर्षों तक ईमानदारी से नौकरी की हो और जो अब पचास वर्ष की आयु के करीब पहुंच चुका हो, तो क्या इसे न्यायसंगत कहा जा सकता है?

■ ठीक यही स्थिति आज वरिष्ठ शिक्षकों के सामने है। वर्षों तक विद्यार्थियों को पढ़ाने वाले अनुभवी शिक्षकों को आज उसी परीक्षा में बैठना पड़ रहा है, जिसमें स्मरण शक्ति, रटने की क्षमता और तेज गति से प्रश्न हल करने की योग्यता को प्राथमिकता दी जाती है।

क्या अनुभव से बड़ा है रटंत ज्ञान?

व्या केवल लिखित परीक्षा ही किसी शिक्षक की योग्यता तय कर सकती है? क्या वर्षों का शिक्षण अनुभव, विद्यार्थियों को समझाने की क्षमता, कक्षा संचालन का कौशल और बाल मनोविज्ञान की समझ किसी परीक्षा में नहीं आंकी जा सकती? यदि लाखों वरिष्ठ शिक्षक इस कठिन परीक्षा में असफल हो जाते हैं और उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया जाता है, तो क्या उन लाखों डॉक्टरों, इंजीनियरों, अधिकारियों और अन्य सफल नागरिकों की योग्यता पर भी सवाल उठेगा, जिन्हें इन्हीं शिक्षकों ने पढ़ाया है? यदि शिक्षक आज अयोग्य हैं, तो इतने वर्षों तक उन्हीं के भरोसे विद्यार्थियों का भविष्य बनाने वाली व्यवस्था की जिम्मेदारी आखिर कौन स्वीकार करेगा?

कठिन परीक्षा और बढ़ती चिंता

समय के साथ महा टीईटी देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में गिनी जाने लगी है। इसका उत्तीर्ण प्रतिशत कई बार केवल पांच से सात प्रतिशत तक ही सीमित रहता है। ऐसे में मध्यम आयु और वरिष्ठ शिक्षकों के लिए इस परीक्षा को उत्तीर्ण करना स्वाभाविक रूप से कठिन है। इसका सीधा असर उनके मानसिक स्वास्थ्य और नियमित अध्यापन पर भी पड़ सकता है। जो शिक्षक दिनभर विद्यालय में पढ़ाते हैं, वे परीक्षा की चिंता के कारण अतिरिक्त मानसिक दबाव झेल रहे हैं।

शिक्षण सेवक' व्यवस्था की विडंबना

महाराष्ट्र की 'शिक्षण सेवक' व्यवस्था लंबे समय से आलोचना का विषय रही है। अत्यंत कम मानदेय पर वर्षों तक काम कराने वाली यह व्यवस्था आखिर किसके हित में है? इतना ही नहीं, अनुदानित विद्यालयों में नियुक्ति पाने के लिए अभ्यर्थियों को आर्थिक और मानसिक दोनों प्रकार का भारी दबाव झेलना पड़ता है। शिक्षा जगत में यह वर्ग आम है कि कई स्थानों पर नौकरी पाने के लिए लाखों रुपए तक खर्च करने पड़ते हैं। वर्षों तक बेरोजगारी झेलने और भारी आर्थिक बोझ उठाने वाले व्यक्ति से बाद में पूरी तरह आदर्श नैतिक मूल्यों की अपेक्षा करना भी व्यवस्था की एक बड़ी विडंबना प्रतीत होती है।

अब बदलाव की जरूरत

■ सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि जिन शिक्षकों के हाथों में देश की अगली पीढ़ी का भविष्य है और जो पांच कल के शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे हैं, क्या उन्हें लगातार असुरक्षा, अव्यवस्था और भ्रष्टाचार के बीच जीने के लिए मजबूर किया जाएगा?

■ परीक्षा परिषद ने पारदर्शिता बनाए रखने के लिए परीक्षा स्थगित की, यह निर्णय प्रक्रिया के लिहाज से उचित हो सकता है। लेकिन इससे लाखों अभ्यर्थियों और कार्यरत शिक्षकों को जो मानसिक पीड़ा, आर्थिक नुकसान और भविष्य की अनिश्चितता झेलनी पड़ी, उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

■ जब तक परीक्षा प्रणाली पारदर्शी, सुरक्षित और न्यायपूर्ण नहीं बनेगी तथा शिक्षकों के अनुभव, सम्मान और कार्य परिस्थितियों को समान महत्व नहीं दिया जाएगा, तब तक शिक्षा व्यवस्था पर उठने सवाल खत्म नहीं होंगे। आज सबसे बड़ी जरूरत केवल शिक्षकों की परीक्षा लेने की नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की जवाबदेही तय करने की है। तभी "गुरु" को सम्मान मिलेगा, अन्यथा उनका यह संघर्ष और वनवास यू ही चलता रहेगा।

राजनीति में वपसी, सत्ता की रणनीति और विपक्ष की चुनौतियां

● स्मृति ईरानी की वापसी के संकेत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

टेलीविजन धारावाहिकों में किसी लोकप्रिय किरदार की वापसी जितनी चर्चा बटोरती है, राजनीति में भी ऐसा ही होता है। इसका ताजा उदाहरण भाजपा की वरिष्ठ नेता स्मृति ईरानी हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से हार के बाद वे राष्ट्रीय राजनीति की सुर्खियों से लगभग गायब हो गई थीं। कभी भाजपा की सबसे मुखर और आक्रामक नेताओं में गिनी जाने वाली स्मृति ईरानी लंबे समय तक सार्वजनिक राजनीतिक गतिविधियों से दूर रहीं। इस दौरान उन्होंने टीवी जगत में दोबारा काम शुरू किया और पार्टी के संगठनात्मक कार्यों में भी भूमिका निभाई। लेकिन अब राजनीतिक परिस्थितियां एक बार फिर उनके पक्ष में दिखाई देने लगी हैं।

बंगाल में भी बड़ी जिम्मेदारी

स्मृति ईरानी की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत उनकी प्रभावशाली वक्तुत्व क्षमता है। वे बंगाली भाषा पर भी अच्छी पकड़ रखती हैं और बड़ी जनसभाओं में भीड़ आकर्षित करने की क्षमता रखती हैं। इसी कारण भाजपा ने उन्हें पश्चिम बंगाल में स्टार प्रचारक के रूप में भी उतारा है। हाल के समय में रेखा गुप्ता और कंगना रनौत जैसी महिला नेताओं को अधिक महत्व मिलता दिखाई दिया, लेकिन अब स्मृति ईरानी की सक्रियता यह संकेत देती है कि वे फिर से पार्टी की प्रमुख नेताओं की कतार में लौटने की तैयारी में हैं। हालांकि इस बार उनकी भूमिका पहले जैसी स्वतंत्र होगी या सीमित दायरे में रहेगी, यह आने वाला समय तय करेगा।

संसद में नीट पर घमासान तय

संसद का आगामी मानसून सत्र काफी हंगामेदार रहने की संभावना है। विपक्ष का सबसे बड़ा निशाना केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मप्र प्रधान होंगे। नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर विपक्ष सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में है। हालांकि भाजपा पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि इस मामले में किसी मंत्री की बलि नहीं दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सार्वजनिक रूप से उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देना राजनीतिक हलकों में उनके विश्वास का संकेत माना जा रहा है।

सरकार पर बढ़ता दबाव

नीट विवाद को लेकर छात्र संगठनों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का आक्रोश अभी भी कम नहीं हुआ है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) भी लगातार सवालों के घेरे में है। लाखों छात्रों और अभिभावकों की भावनाओं को लेकर विपक्ष सरकार को घेरने का कोई अवसर छेड़ना नहीं चाहता। ऐसे में जन्मदिन की शुभकामनाएं देना राजनीतिक हलकों में उनके विश्वास का संकेत माना जा रहा है।

समाजवादी पार्टी में संध मुश्किल

उत्तर प्रदेश में भाजपा के कुछ नेता लगातार दावा कर रहे हैं कि समाजवादी पार्टी में जल्द ही बड़ी टूट होगी। हालांकि भाजपा के ऐसे किसी घटनाक्रम के संकेत नहीं मिले हैं। लोकसभा में समाजवादी पार्टी के 37 सांसद हैं, जबकि राज्यसभा में उसके केवल चार सदस्य हैं। पार्टी के कुछ सांसद विभिन्न कानूनी मामलों का सामना कर रहे हैं और यदि किसी को दो वर्ष से अधिक की सजा होती है तो उनकी सदस्यता समाप्त हो सकती है। अतीत में ऐसे दबावों के कारण कई दलों में टूट देखी गई है।

प्रेरक प्रसंग

सच

रात का समय था। पूरा परिवार खाने की मेज पर बैठा था। रसोई से ताजी रोटीयों की खुशबू आ रही थी। मां एक हाथ से बेटे की थाली में सब्जी

रोस रही थी और दूसरे हाथ से अपना खाना खा रही थी। घर का माहौल सामान्य था, लेकिन आठ वर्षीय आरव के चेहरे पर गहरी उदासी साफ दिखाई दे रही थी। कुछ देर तक चुपचाप खाना खाने के बाद उसने धीरे से पूछा, "मां, स्कूल में टीचर कहती हैं कि बच्चे जैसा अपने घर में देखते हैं, वैसा ही सीखते हैं। क्या यह सच है?" मां ने मुस्कराते हुए उसकी ओर देखा और बोली, "हां बेटा, यह बिल्कुल सच है। बच्चे अपने बड़ों को देखकर ही अच्छे-बुरे संस्कार सीखते हैं।" मां को लगा कि बेटा शायद स्कूल में हुई किसी बात को लेकर सवाल कर रहा है। लेकिन उसके चेहरे की उदासी बढ़ती जा रही थी। उसने प्यार से बेटे के सिर पर हाथ फेरते हुए पूछा, "क्या बात है? तुम इतने परेशान क्यों हो?" इतना सुनते ही आरव की आंखें भर आईं। उसने कांपती आवाज में कहा, "मां... फिर पापा दादी पर इतना गुस्सा क्यों करते हैं? वे उनसे ऊंची आवाज में बात करते हैं, कभी-कभी डांट भी देते हैं।" मां कुछ पल के लिए बिल्कुल शांत रह गईं। उसके पास बेटे के सवाल का कोई आसान जवाब नहीं था। आरव ने आगे कहा, "अगर टीचर की बात सच है, तो मैं भी बड़ा होकर यही सीखूंगा न? लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहता। मैं तुम्हारे साथ कभी ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहता, जैसा पापा दादी के साथ करते हैं। तुम पापा को समझाओ कि वे दादी की इज्जत करें।" यह सुनते ही मां के हाथ रुक गए। जो निवाला वह खाने जा रही थी, वह गले में अटक गया। उसकी आंखें हम हो गईं। एक छोटे से बच्चे ने अनजाने में वह सच कह दिया था, जिसे बड़े लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। उस रात मां देर तक सोचती रही। उसे एहसास हुआ कि बच्चों को संस्कार केवल किताबें या स्कूल नहीं देते, बल्कि घर का वातावरण देता है। माता-पिता के शब्द, व्यवहार और रीतों में झलकता सम्मान ही बच्चों के व्यक्तित्व की नींव बनाता है।

■ अगले दिन उसने अपने पति से शांति से बात की। पहले तो उन्हें अपनी गलती का एहसास नहीं हुआ, लेकिन जब मां ने बेटे की कही बात सुनाई, तो वे कुछ देर के लिए निःशब्द हो गए। उन्हें महसूस हुआ कि उनका व्यवहार केवल उनकी मां की ही नहीं, बल्कि उनके बेटे के भविष्य को भी प्रभावित कर रहा है। उस दिन के बाद घर का माहौल धीरे-धीरे बदलने लगा।

■ पिता ने अपनी मां से सम्मानपूर्वक बात करना शुरू किया और आरव के चेहरे पर फिर से वही मासूम मुस्कान लौट आई। संदेश: बच्चे हमारी बातें कम और हमारा व्यवहार अधिक सीखते हैं। इसलिए उन्हें अच्छे संस्कार देने का सबसे प्रभावी तरीका है-स्वयं ऐसा आचरण करना, जैसा हम उनसे भविष्य में अपेक्षा रखते हैं।

राशिफल

मेघ- आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतु खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

वृषभ-नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। दोष व रोग से कष्ट संभव है। प्रमाद न करें। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है।

मिथुन-व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक सघनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी से बचें। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी।

कर्क- यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है। तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। स्वास्थ्य का लाभ मिलेगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है। कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है।

सिंह- व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुश्जन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें।

कन्या- पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। शारीरिक कष्ट संभव है। जल्दबाजी से हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

तुला-भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। प्रसन्नता रहेगी। र्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा।

वृश्चिक- पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

धनु- लेन-देन में जल्दबाजी न करें, सावधानी रखें। दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। जोखिम न लें। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुरी खबर मिल सकती है।

मकर- सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पुष्ट-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य अनुकूल है। समय का लाभ लें। मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा।

कुंभ- किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मानसिक कार्य का आयोजन हो सकता है। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मीन-कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। जोखिम उठाने का सफर कर पाएंगे। जल्दबाजी न करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

नई तकनीक बन सकती है समाधान

तकनीकी उपायों में सक्रिय रूप से अंतरिक्ष कचरा हटाना और उपग्रहों तथा अंतरिक्ष मिशन को बेहतर योजना शामिल है। कचरे को हटाने की तकनीक के तहत पुराने अंतरिक्ष यानों को या तो ग्रह की वायुमंडल में धकेल दिया जाता है, जहां वे जलकर नष्ट हो जाते हैं, या फिर उन्हें ऐसी स्थानों में भेज दिया जाता है जहां उपग्रह संचालित नहीं होते। वैश्वानिकों ने ऐसे 50 सबसे खतरनाक अंतरिक्ष यानों की सूची भी तैयार की है।

अखिलेश के जन्मदिन पर नया सियासी पोस्टर; श्रीकृष्ण के रूप में दिखे सपा प्रमुख

हाथ में संविधान ने बढ़ाई राजनीति



सपा कार्यकर्ताओं ने मनाया अखिलेश यादव का जन्मदिन

सपा कार्यकर्ताओं ने जन्मदिन के अवसर पर हवन-पूजन कर अखिलेश यादव की दीर्घायु और वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सत्ता में वापसी की कामना की। इस दौरान केक काटकर और मिठाइयां बांटकर जन्मदिन का उत्सव भी मनाया गया।

दो हाथों में चक्र के बजाय भारत का संविधान थमाया

बता दें कि आज समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव अपना 53वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस अवसर पर वाराणसी में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एक नया सियासी पोस्टर जारी किया है जिसमें अखिलेश को भगवान श्रीकृष्ण के रूप में दर्शाया गया है। इस पोस्टर में चार भुजाओं में से दो हाथों में चक्र के बजाय भारत का संविधान थमाया गया है। इस पोस्टर के माध्यम से समाजवादी पार्टी ने खुद को संविधान और सामाजिक न्याय के रक्षक के रूप में दर्शाया है।

मैनपुर में मनोकामनेश्वर महादेव मंदिर का संकल्प साकार

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए डॉ. अनील काशी मुरारका



हिंदमाता नेटवर्क @ गाजीपुर

मुंबई के प्रख्यात समाजसेवी डॉ. अनील काशी मुरारका ने अप्रैल 2024 में उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद स्थित मैनुपुर गांव में जिस शिव मंदिर का शिलान्यास किया था तथा मंदिर निर्माण के लिए मुरारका परिवार की तरफ से एक बड़ी धनराशि प्रदान की थी, वहां भव्य श्री मनोकामनेश्वर महादेव मंदिर बनकर तैयार हो गया इस मंदिर निर्माण में गांव के लोगों का भी बहुत बड़ा योगदान रहा। डाक्टर मुरारका ने आज पूरी श्रद्धा के साथ गांव वालों के बीच मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए। यहीं नहीं उन्होंने आगे भी यहां एक भव्य गणेश मंदिर बनवाने का वायदा किया। डॉ मुरारका ने मंदिर निर्माण के लिए सहयोग राशि अपनी मां मीनादेवी काशीप्रसाद मुरारका, बहन मनीषा मुरारकाइरुईया एवं अपने पूर्वजों की पावन स्मृति में

सोबी मुरारका चैरिटेबल ट्रस्ट मुंबई-लक्ष्मणगढ़ राजस्थान की तरफ से प्रदान किया। डॉ मुरारका को इस गांव तक लाने का पूरा श्रेय इसी गांव के मूल निवासी तथा मुंबई के स्वतंत्र पत्रकार राजहंस सिंह को जाता है। उन्हीं के विशेष अनुरोध पर डॉ मुरारका ने इस भव्य मंदिर के निर्माण का संकल्प लिया था और आज मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के साथ उनका संकल्प पूरा हुआ। डॉ मुरारका के हाथों प्राण प्रतिष्ठा की धार्मिक रस्म में पूरी की गई। मंत्रोच्चार के बीच जिस समय वे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर रहे थे, बाहर खड़े हजारों लोग हर हर महादेव के जयकारे लगा रहे थे। पूरा मैनुपुर गांव हर हर महादेव के नारों से गुंज उठा। मंदिर के निर्माण में गांव वालों का भी विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में गौतमरा राणा सिंह, सुनील कुमार सिंह (सुनु), कृष्ण अवतार गुप्ता , सुनील दुबे (सुडू बाबा) जेहन सिंह ,सुभाष सिंह, राजेश सिंह, आलोक सिंह, राकेश सिंह, कन्हैया पासवान, रामविलास यादव , विशाल गुप्ता, सुरेंद्र यादव दिनेश बिन्द, गौरव कुमार सिंह, नागेश देवा, विकास सिंह, संजय सिंह आदि का समावेश रहा।

राहुल गांधी ने अखिलेश यादव को बर्थडे विश कर,यूपी चुनाव के लिए दे दिया बड़ा संदेश

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आज बुधवार को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। उन्हें जन्मदिन की शुभकामना देने वालों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मायावती जैसे प्रदेश के शीर्ष नेता भी शामिल रहे। हालांकि अगले साल राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पड़े अखिलेश के जन्मदिन पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने जन्मदिन की शुभकामना में बड़ा सियासी मैसेज देने की कोशिश की है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज अखिलेश को लिए अपने शुभकामना संदेश में सियासी तड़के को भी शामिल करने की कोशिश की। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी दोनों इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं और अगले साल यूपी में होने वाले चुनाव में मिलकर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। हालांकि सीट शेयरिंग को लेकर दोनों ओर से नेताओं के बयान लगातार सामने आ रहे हैं।

अखिलेश का जन्मदिन और पीडीए की बात

लेकिन राहुल गांधी ने अखिलेश के जन्मदिन पर पीडीए का जिक्र कर दोनों पक्षों को अपना संदेश दे दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, अखिलेश जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। पीडीए की हिस्सेदारी से सामाजिक न्याय का संकल्प हम मिल कर पूरा करेंगे। अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन के लिए शुभकामनाएं। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश राज्य की सियासत में पीडीए का ही नारा लंबे समय से लगाते रहे हैं। अखिलेश की पीडीए का मतलब है पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक। यह अखिलेश का ही पीडीए रहा जिसने 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को जोर का झटका दिया था, और राज्य की सबसे अधिक 37 सीटें जीत कर सभी को चौका दिया था।



हिंदमाता संवाददाता @ देवरिया उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के भगवानपुर गांव निवासी मंचेंट नेवी कर्मी राकेश चौहान की वेनेजुएला में जहाज पर ड्यूटी के दौरान हुई मौत अब कई सवाल खड़े कर रही है। पहले कंपनी ने हादसे की बात कही, फिर हार्ट अटैक को मौत का कारण बताया। लेकिन जब भारत में दोबारा पोस्टमार्टम कराया गया तो राकेश के शरीर से कई अंदरूनी अंग गायब मिलने का दावा सामने आया, जिसके बाद परिजनों ने शिपिंग कंपनी पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

नहीं दे सका 6 माह के बेटे का मुंह

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि राकेश का 6 माह का बेटा है उसने अपने बेटे के लिए बहुत सारे अरमान देखे थे लेकिन उसका चेहरा देखने से पहले ही दम तोड़ दिया। राकेश चौहान नवंबर 2025 में फीटर के पद पर नौकरी के लिए वेनेजुएला गए थे। 17 मई को उनकी मौत हो गई थी, जबकि उनका शव करीब एक महीने बाद 4 जून को भारत पहुंचा। परिजनों का आरोप है कि कंपनी ने न तो मौत की सही वजह बताई और न ही यह जानकारी दी कि विदेश में शव का पोस्टमार्टम कराया जा चुका है। राकेश की पत्नी रंजना चौहान का कहना है कि कंपनी के अधिकारियों ने उन पर शव लेने के लिए हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया। उनका आरोप है कि उनसे कहा गया कि अगर दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं किए गए तो शव कहीं भी छोड़ दिया जाएगा। रंजना का कहना है कि उन्होंने किसी भी कामज पर हस्ताक्षर नहीं किए, लेकिन कंपनी ने उनके नाम से फर्जी हस्ताक्षर कर दिए। उनका दावा है कि वह हमेशा अंग्रेजी में हस्ताक्षर करती हैं, जबकि दस्तावेजों में हिंदी में हस्ताक्षर दिखाए गए।



दोबारा पीएम में लिवर, हार्ट, फेफड़े, आंत, दिमाग सब गायब

रंजना ने आरोप लगाया कि उनके पति की हत्या की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि बिना परिवार की अनुमति के पोस्टमार्टम कराया गया और दोबारा पोस्टमार्टम में लिवर, हार्ट, फेफड़े, आंत, दिमाग समेत कई महत्वपूर्ण अंग गायब मिले। उन्होंने अंगों की तस्करी की आशंका जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने सरकार से शिपिंग कंपनी के खिलाफ कार्रवाई, उचित मुआवजा, बीमा की राशि दिलाने और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की है। राकेश अपने पीछे छह महीने के बेटे को छोड़ गए हैं, जिसका चेहरा देखने से पहले ही उनकी मौत हो गई। परिवार का कहना है कि राकेश ही घर के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे।

जांच की मांग पर अड़ी पत्नी

पोस्टमार्टम नोडल अधिकारी और डिप्टी सीएमओ डॉ। संजय गुप्ता ने बताया कि सामान्य तौर पर हिस्टोपैथोलॉजिकल जांच के लिए कुछ ऊतकों के नमूने सुरक्षित रखे जाते हैं, लेकिन यहां कई अंग गायब होने की बात सामने आई है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वेनेजुएला में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया क्या होती है, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है, इसलिए उस पर कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती। फिलहाल परिजन पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं और चाहते हैं कि राकेश की मौत की असली वजह सामने आए तथा यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अपराध हुआ है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

राम मंदिर चंदा विवाद पर बोले सपा नेता रामगोपाल यादव

ये 20 हजार करोड़ का घपला, इसमें बड़े-बड़े लोग शामिल



हुए कहा कि चंदा चोरी का मामला बहुत बड़ा घोटाला है और ये सब करीब 20 हजार करोड़ रुपये का मामला है। उत्तर प्रदेश की सरकार ने मामले की जांच कर रहे एसआईटी का कार्यकाल 15 दिन बढ़ा दिया है। चंदा चोरी का मामला सामने आने पर यूपी की योगी सरकार ने आरोपों की जांच के लिए 13 जून को एसआईटी का गठन किया था और शुरूआत में उसे 15 दिन का समय दिया गया था।

जिम्मेदार लोगों तक नहीं पहुंच रही जांच: राम गोपाल

इस बीच राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित हेराफेरी के बारे में समाजवादी पार्टी के सांसद और वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने दावा करते हुए कहा, इसमें कई बड़े लोग शामिल हैं और यह कम से कम 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बड़ा घोटाला है। उनका आरोप है कि इस मामले में कई बड़े लोग शामिल हैं, इसलिए जांच वास्तविक जिम्मेदारों तक नहीं पहुंच रही। सपा नेता ने यह भी दावा किया कि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने राम मंदिर में सोना, चांदी और हीरे के हार समेत भारी मात्रा में बहुमूल्य चीजें चढ़ाई हैं, लेकिन उनका पूरा हिसाब अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया। उनका कहना है कि उपलब्ध तथ्यों के आधार पर ही यह 20 हजार करोड़ रुपये का घोटाला है। पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि यूपी की जनता भ्रष्टाचार और दमनकारी नीतियों से ऊब चुकी है। अगले साल 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगी।

हिंदमाता नेटवर्क @ अयोध्या

अयोध्या के राम मंदिर में चंदा चोरी पर विपक्ष की ओर से लगातार तीखा हमला किया जा रहा है। एक ओर, राम मंदिर ट्रस्ट के दान और वित्तीय प्रबंधन से जुड़े कई आरोपों की जांच कर रहे 3 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का कार्यकाल 15 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। तो वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव ने बड़ा आरोप लगाते

एसआईटी जांच का कार्यकाल 15 दिनों के लिए बढ़ा

इस बीच, प्रदेश सरकार ने चंदा चोरी मामले की जांच कर रहे 3 सदस्यीय एसआईटी का कार्यकाल 15 दिन के लिए बढ़ा दिया है। 13 जून को जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था और शुरूआत में उसे 15 दिन का समय दिया था। एक अधिकारी ने बताया कि 23 जून को एसआईटी की ओर से शुरूआती रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद 25 जून को मामले में एक एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर में नामजद 8 आरोपियों अविनाश शुक्ला, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, मनीष कुमार यादव, रमाशंकर मिश्रा, कमिनेश पांडे, सुभाष श्रीवास्तव और रमाशंकर यादव उर्फ टीनू यादव को गिरफ्तार कर लिया गया।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बड़ा हादसा

कार को टक्कर मार खाई में पलटी स्लीपर बस, पांच की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के उन्नाव में बुधवार की सुबह बड़ा हादसा हुआ है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार स्लीपर बस एक कार को टक्कर मारते हुए खाई में पलट गई है। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। कई लोग घायल हैं। पुलिस और प्रशासन की टीमों मौके पर राहत और बचाव कार्य में लगी हैं। करीब 85 यात्रियों को लेकर बस हरियाणा से बिहार जा रही थी। बस में आठ लोग सवार थे। मरने वालों में दो बच्चे हैं। कार सवार तीन लोग और बस के 17 लोग घायल हैं। सभी घायलों को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। हादसा बांगरमऊ क्षेत्र



में एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 230 पर गांव देवखरी के पास हुआ। मजदूरों को लेकर हरियाणा से बिहार जा रही बस अचानक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर तोड़कर रॉन्ग साइड में घुस गई। इसी दौरान सामने से आ रही कार को कुचलती हुई खंडी और बस के 17 लोग घायल हैं। सभी घायलों को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। हादसा बांगरमऊ क्षेत्र

मरने वाले सभी एक ही परिवार के

डॉक्टरों ने कार सवार दिय्या 6 वर्ष, अमृता 13 वर्ष, अंजु 40 वर्ष, धुन्मन 60 वर्ष और चालक विनोद पुत्र बदलू प्रसाद 45 वर्ष निवासी ग्राम तेनुहारी सोयम, कोतवाली खलीलाबाद, जनपद संत कबीरनगर को मृत घोषित कर दिया। सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। 12 घायलों की हालत गंभीर देख बांगरमऊ अस्पताल से रेफर कर दिया गया।

लखनऊ से आगरा जा रहा था कार सवार परिवार

हादसे के वक्त बस हरियाणा से बिहार जा रही थी, जबकि कार सवार सभी लोग लखनऊ से आगरा की तरफ जा रहे थे। मृतक आपस में परिवारिक सदस्य व करीबी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

वाराणसी में मीट कारोबारियों का बड़ा प्रदर्शन

नगर आयुक्त के आशवासन के बाद मिली राहत

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

वाराणसी में मीट, मछली और मुर्गा व्यापारियों को बड़ी राहत मिली है। शहर के बाहर कच्चे मांस की दुकानों को स्थानांतरित करने के प्रस्ताव के विरोध में सोमवार को सपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, विभिन्न सामाजिक संगठनों और व्यापारियों ने नगर निगम कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नगर आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी करते हुए ज्ञापन सौंपा। इसके बाद नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि मानकों का पालन करने वाली दुकानों को शहर के भीतर ही संचालन की अनुमति रहेगी।

जिगरा पेट्रोल पंप से कार्यालय पहुंचे प्रदर्शनकारी

वाराणसी नगर निगम द्वारा कुछ समय पहले शहर के भीतर कच्चे मांस की दुकानों को शहर से बाहर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू किए जाने के बाद व्यापारियों में भारी नाराजगी थी। इसी के विरोध में सोमवार को सैकड़ों की संख्या में व्यापारी और विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता जिगरा पेट्रोल पंप से जुलूस निकालते हुए नगर निगम कार्यालय पहुंचे और घरना-प्रदर्शन किया।



नगर आयुक्त दिया आशवासन

प्रदर्शन में शामिल व्यापारियों और नेताओं ने आरोप लगाया कि नगर निगम गरीब व्यापारियों के साथ भेदभाव कर रहा है। प्रदर्शनकारी व्यापारियों ने कहा कि शहर में पका हुआ मांस खुलेआम बिक रहा है, जबकि केवल कच्चे मांस के व्यापारियों पर कार्रवाई की जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने इसे दोहरा रवैया बताया हुए आदेश वापस लेने की मांग की। घरना-प्रदर्शन के बाद नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि शहर के भीतर संचालित मीट, मछली और मुर्गा की दुकानें बंद नहीं कराई जाएंगी।

शॉर्ट स्टोरी

पिता से झगड़ा बना मौत की वजह, बेटे ने किया कांड

हिंदमाता नेटवर्क @ कैमूर



बिहार के कैमूर जिले में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक दर्दनाक घटना सामने आई है। चैनपुर थाना क्षेत्र के इसमलपुर गांव में मामूली विवाद में एक बेटे ने अपने ही पिता की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने मामले में आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। मुक्त की पहचान बरकट्टा टोला निवासी चहुन बिंद के रूप में हुई है। घटना मंगलवार रात की है। पुलिस ने बुधवार को शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मिली जानकारी के मुताबिक सोनू बिंद ने अपने घर के गलियारे में बकरी बांध रखी थी। उसके पिता चहुन बिंद ने अपने बेटे को रास्ते से बकरी हटाकर दूसरी जगह बांधने को कहा था। बस इतनी सी बात पर सोनू नाराज हो गया और अपने पिता से कहासुनी करने लगा। तभी देखते ही देखते यह विवाद इतना बढ़ गया कि उसने लाठी-डंडे से अपने पिता पर हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद परिजन तुरंत घायल चहुन बिंद को चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। आयाकी बता दें कि सदर अस्पताल के डॉक्टर ने उनकी लगातार बिगड़ती हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए बाहर भेज दिया। उनके परिजन उन्हें वाराणसी लेकर जा रहे थे। लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। वृद्ध पिता की मौत के बाद परिजन शव लेकर चैनपुर थाना पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मामले में आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है।

बरेली जंक्शन पर 30 दिन का मेगा ब्लॉक, कई ट्रेनें रद्द

हिंदमाता नेटवर्क @ बरेली



कुछ मुश्किल भरा रह सकता है। रेलवे ने बरेली जंक्शन याई में वांशिग लाइन संख्या 36 और 37 के रखरखाव के लिए 5 जुलाई से 3 अगस्त तक 30 दिन का मेगा ब्लॉक लेने का फैसला किया है। इस दौरान कई ट्रेनों के संचालन पर असर पड़ेगा। कुछ ट्रेनें पूरी तरह निरस्त रहेगी, जबकि कुछ ट्रेनों का संचालन बदले हुए कार्यक्रम के अनुसार किया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, बरेली याई की पुरानी वांशिग लाइन पर लंबे समय से रखरखाव कार्य की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसी कारण एक महीने का विशेष ब्लॉक लिया गया है, ताकि भविष्य में ट्रेनों की दखलबांदी और संचालन बेहतर तरीके से हो सके। ब्लॉक के दौरान कोचों की सफाई और तकनीकी जांच का काम नई वांशिग लाइन के माध्यम से किया जाएगा। मेगा ब्लॉक की वजह से कई महत्वपूर्ण ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। रेलवे ने कुछ ट्रेनों को तय तिथियों पर निरस्त करने का फैसला लिया है। इनमें बरेलीलालकुआं, लालकुआंबरेली, बरेलीइंदौर और इंदौरबरेली रूट की ट्रेनें शामिल हैं। इसके अलावा बरेलीदिल्ली पैसेंजर और दिल्लीबरेली पैसेंजर का संचालन पूरे ब्लॉक के दौरान यानी 5 जुलाई से 3 अगस्त तक बंद रहेगा। रोजाना इन ट्रेनों से सफर करने वाले यात्रियों को केवलिक व्यवस्था करनी पड़ सकती है। रेलवे का कहना है कि बाकी ट्रेनों पर असर कम करने के लिए अतिरिक्त रैक और दूसरी परिवालन व्यवस्था तैयार की गई है। साथ ही, इस अवधि में बरेली याई से किसी विशेष, सेन्स या अतिरिक्त ट्रेन के संचालन की योजना नहीं बनाई गई है। इसी बीच उत्तर मध्य रेलवे के ललितपुर स्टेशन पर याई री-मॉडलिंग का काम भी शुरू किया जा रहा है। इसका असर मुरादाबाद मंडल से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों पर दिखाई देगा।

महाराष्ट्र टेट पेपर लीक: बिहार के बाद यूपी कनेक्शन आया सामने

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ



महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा पेपर लीक मामले में हर दिन परत-दर-परत चौकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। इस पूरे महाघोटाले के तार अब उत्तर प्रदेश के आगरा और बिहार से जुड़ते नजर आ रहे हैं। जहां जहां सामने आया है कि महाराष्ट्र टेट परीक्षा के पेपर पिछले 25 वर्षों से यूपी के आगरा स्थित एक निजी प्रिंटिंग प्रेस में छप रहे थे। इस प्रेस का नाम मनीष पेट्रम प्रा. लि. बताया जा रहा है। इस खुलासे के बाद अब यह गंभीर सवाल उठने लगा है कि क्या पूरे महाराष्ट्र में एक ही ऐसा सुरक्षित सरकारी या निजी प्रिंटिंग प्रेस नहीं था, जहां इन गोपनीय प्रश्नपत्रों को प्रकाशित किया जा सके? पुलिस जांच के अनुसार, आगरा की इस प्रिंटिंग प्रेस के संचालकों में पौषुष कपूर, मिलान कपूर और सुनीता कपूर के नाम सामने आए हैं। वहीं, अगर इस पूरे रैकेट के मुख्य आरोपियों की बात करें तो इसमें शामिल एक आरोपी हरियाणा का और दो बिहार के रहने वाले हैं। इस पूरे खेल का मुख्य मास्टरमाइंड बिजेन्द्र गुप्ता भी बिहार के समस्तीपुर का निवासी है। जो फिलहाल फरार चल रहा है। इस बड़े रैकेट का भंडाफोड़ भिंडी के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ सीएमओ डॉ। संजय गुप्ता ने बताया कि पुलिस पवन बंसोई मीलेती से लाया हुआ। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ठाणे में कुछ लोग टेट के लिए पेपर बेचने की फिराक में हैं। इसके बाद भिंडी पुलिस ने साठ कमियों में ठाणे जिले में जाल बिछाया। जब पुलिसफॉर्सेज ने फर्जी ग्राहक बनकर आरोपियों से संपर्क किया, तो उन्होंने पेपर के बदले सीधे 1.5 करोड़ रुपये की मांग की। काफी मोलभाव के बाद सीधे 25 लाख रुपये में तय हुआ। जैसे ही डील पक्की हुई, पुलिस ने तुरंत छपा मारकर तीन आरोपियों को रंग हाथी हिरासत में ले लिया। आरोपियों के पास से पुलिस को 3 क्यूआर कोड भी बरामद हुए हैं, जिनका इस्तेमाल लीन-देन के लिए किया जा रहा था। महाराष्ट्र टेट पेपर लीक का मुद्दा महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र में भी गुंजा।

आईसीसी की ताजा टी-20 इंटरनेशनल बल्लेबाजी रैंकिंग में ईशान किशन नंबर-1

अभिषेक शर्मा का लंबे समय से दुनिया के नंबर-1 टी-20 इंटरनेशनल बल्लेबाज का राज आखिरकार समाप्त हो गया है। आईसीसी की ताजा टी-20 इंटरनेशनल बल्लेबाजी रैंकिंग में ईशान किशन ने अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। इस तरह किशन टी-20 इंटरनेशनल प्रारूप में बल्लेबाजी रैंकिंग के नए किंग बने। 27 साल के ईशान किशन ने निरंतर बेहतर प्रदर्शन के दम पर नंबर-1 स्थान हासिल किया। उन्होंने इस साल टी-20 वर्ल्ड कप में भी दमदार प्रदर्शन करते हुए 317 रन बनाए थे। पाकिस्तान के खिलाफ कोलंबो में शानदार पारी के लिए किशन को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला था। वो टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में संजु सैमसन के बाद टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज थे।

चौथे भारतीय बल्लेबाज बने
ईशान किशन आईसीसी टी-20 इंटरनेशनल बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने। इससे पहले विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा नंबर-1 स्थान पर रह चुके हैं।

टॉप-5 में कौन
ईशान किशन ने सात रेटिंग अंकों से अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। अभिषेक शर्मा एक स्थान के नुकसान के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान ने तीसरे स्थान पर काबिज हैं। इंग्लैंड के फिल सॉल्ट और श्रीलंका के पाथुमु निसांका क्रमशः चौथे व पांचवें स्थान पर हैं।

ईशान किशन का टी-20 इंटरनेशनल रिकॉर्ड
याद दिला दें कि ईशान किशन ने 2021 में अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ अपना टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 47 पारियों में 29.15 की औसत और 146.87 के स्ट्राइक रेट से 1341 रन बनाए। इस दौरान किशन ने एक शतक और 10 अर्धशतक जमाए।

आलिया भट्ट ने शेरर किया वर्कआउट वीडियो



आलिया भट्ट की अदाकारी वाली फिल्म ‘अल्फा’ जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इससे पहले आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर किया है, जो फैस का ध्यान खींच रहा है। वीडियो में आलिया भट्ट फैस को उस ट्रेनिंग की झलक दिखा रही हैं जिसने उन्हें अपने करियर के सबसे मुश्किल रोल में ढलने में मदद की।

आलिया के वीडियो में क्या है?
आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम पर अपने जबरदस्त मॉनिंग वर्कआउट का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें देखा जा सकता है कि उन्होंने काले रंग का ड्रेस पहना है। इस पर अल्फा लिखा है। आलिया भट्ट कई तरह के वर्कआउट कर रही हैं। उन्होंने वीडियो के कैप्शन में लिखा कि अल्फा के दौरान सुबह का रूटीन। जोश और गुस्से के साथ।

कब रिलीज होगी ‘अल्फा’?
ख्याल रहे कि फिल्म ‘अल्फा’ 3 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में आलिया के अलावा शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल अहम किरदारों में हैं। ‘अल्फा’ यशराज फिल्म के स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म है।

KCA ने हटाया एस श्रीसंत पर लगा 3 साल का बैन

केरल क्रिकेट एसोसिएशन (KCA) ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर एस श्रीसंत को बड़ी राहत दी है। KCA ने श्रीसंत पर लगाए गए तीन साल के बैन को हटाने का फैसला किया है। श्रीसंत को सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों के कारण तीन साल के लिए सस्पेंड किया गया था। एसोसिएशन की बदनामी हुई KCA का कहना था कि इन टिप्पणियों से एसोसिएशन की बदनामी हुई थी। उन्होंने तिरुवनंतपुरम मुसिफ कोर्ट में इस अनुशासनात्मक कार्यवाई को चुनौती दी थी, लेकिन KCA के अनुसार, उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। इसके बाद श्रीसंत ने केरल क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ अपनी टिप्पणियों पर अफसोस जताते हुए बिना शर्त आधिकारिक माफीनामा सीप।

● भारत के पूर्व तेज गेंदबाज श्रीसंत ने देश के लिए तीनों इंटरनेशनल फॉर्मेट में खेला है।
● इसमें 27 टेस्ट, 53 वनडे और 10 T20I शामिल हैं।
● टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 37.59 के औसत से 87 विकेट लिए।
● एक पारी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/40 और एक मैच

भविष्य में ऐसा न हो
1 जुलाई, 2026 को हुई KCA की स्पेशल जनरल बॉडी मीटिंग में उनकी माफी पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने बिना किसी शर्त के खेद व्यक्त किया था, ऐसे में मीटिंग में सर्वसम्मति से प्रतिबंध हटाने का फैसला किया गया। एसोसिएशन ने श्रीसंत को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसा कोई भी व्यवहार करने पर सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाई की जाएगी। प्रतिबंध हटने के बाद श्रीसंत केरल क्रिकेट लीग (KCL) के सीजन 3 में एरीज कोल्लम सेलर्स फ्रेंचाइजी के को-ओपर के तौर पर बने रह सकेंगे। KCA ने पिछले KCL सीजन से पहले यह प्रतिबंध लगाया था।

प्रदर्शन पर एक नजर
● 8/99 रहा।
● इतना ही नहीं इसमें चार बार विकेट और तीन बार पांच विकेट शामिल हैं।
● वनडे में उन्होंने 33.44 के औसत से 75 विकेट लिए।
● उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/55 रहा।
● जबकि टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 10

मैचों में सात विकेट लिए।
● घरेलू क्रिकेट में श्रीसंत ने 74 प्रथम श्रेणी मैचों में 213 विकेट लिए। उनका बेस्ट प्रदर्शन 5/40 रहा।
● इसके अलावा उन्होंने 92 लिस्ट ए मैचों में 124 विकेट और 65 टी-20 मैचों में 54 विकेट लिए।

टीवी इंडस्ट्री से बॉलीवुड तक का सफर तय कर चुकीं मौनी रॉय इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में वह फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में नजर आई थीं, इसके बाद वो अपनी नई सीरीज अब होगा हिसाब में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस इन दिनों अपनी इस सीरीज के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी बीच मौनी में सोशल मीडिया अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनका ग्लैमरस और स्टाइलिश अंदाज फैस का ध्यान खींच रहा है।

व्हाइट गाउन में बिल्कुल परी लग रही हैं मौनी रॉय

हाल ही में मौनी ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। व्हाइट कलर की ड्रेस पहनकर मौनी बिल्कुल परी लग रही हैं। इन तस्वीरों में मौनी अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉट कर रही हैं। मौनी रॉय ने इन तस्वीरों में अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज से फैस का दिल जीत लिया। एक फोटो में वह कैमरे के सामने शानदार पोज देती नजर आ रही हैं। तेज हवाओं के कारण उनकी ड्रेस लहराती हुई दिखाई दे रही है, जिससे उनका लुक और भी आकर्षक लग रहा है। उनका यह अंदाज सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। दूसरी तस्वीर में मौनी आराम से बैठी हुई नजर आ रही हैं। उन्होंने स्टाइलिश सनग्लासेस पहन रखे हैं और बालों में हाथ फेरते हुए कैमरे की तरफ पोज दे रही हैं। उनकी इन खूबसूरत तस्वीरों को देखकर उनके फैंस जमकर उनकी तारीफ कर रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ मौनी रॉय ने एक भावुक कैप्शन भी साझा किया। उन्होंने लिखा कि दो दशक बाद, यूनिवर्सिटी के बाद कुछ लिखा कि यहां शेरर कर रही हूं। उन्होंने एक बड़ा सा नोट लिखकर अपने दिल की फीलिंग्स फैस के साथ शेयर की हैं।

मौनी रॉय का वर्कफ्रंट

मौनी के काम की बात की जाए तो उन्हें हाल ही में सीरीज अब होगा हिसाब में देखा गया है। दर्शकों द्वारा इस सीरीज को बहुत प्यार मिल रहा है।

अल्फा में CBFC ने करवाए कई बदलाव

यश राज फिल्म्स की अपकमिंग स्पाई यूनिवर्स जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म को सीबीएफसी की तरफ से सर्टिफिकेट मिल गया है। हालांकि, सीबीएफसी ने मेकर्स को फिल्म में रिलीज से पहले कुछ बदलाव करने के आदेश दिए। सीबीएफसी ने मेकर्स को फिल्म में एक जगह हिंसा वाले सीन्स को दूसरे सीन्स से रिप्लेस करने को कहा है। वहीं, मेकर्स को फिल्म की शुरुआत में आनेवाला डिस्क्लेमर दोबारा लिखने को कहा गया।

कितनी लंबी होगी आलिया भट्ट की अल्फा?
हिंदी फिल्म इंग्लिश सबटाइटल्स के साथ रिलीज की जाएगी। फिल्म को UA 16+ सर्टिफिकेट दिया गया है। वहीं, फिल्म के रनटाइम की बात करें तो आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की अल्फा 2 घंटे 20 मिनट और 48 सेकंड की होगी।

CBFC ने फिल्म में करवाए कई बदलाव

सीबीएफसी ने फिल्म में दिखाए गए हिंसक सीन्स में बदलाव का निर्देश दिया है। फिल्म में 25 मिनट 49 सेकंड पर आनेवाले सीन्स को दूसरे सीन्स से रिप्लेस करने को कहा गया। वहीं, 1 घंटे 36 मिनट और 41 सेकंड पर कई बार वाकू घोषणे वाले सीन्स को कम हिंसक बनाने का आदेश दिया गया। इतना ही नहीं, सीबीएफसी ने मेकर्स को फिल्म की शुरुआत में आनेवाले डिस्क्लेमर को दोबारा लिखने का भी आदेश दिया है और गानों में इंग्लिश सबटाइटल्स जोड़ने की बात कही है। 35 मिनट 53 सेकंड पर एक अपशब्द को हटाने का आदेश दिया है। 38 मिनट 12 सेकंड पर एक सीन में बदलाव करने को कहा।

महेश बाबू ने रिलीज किया ‘राव बहादुर’ का ट्रेलर

■ महेश बाबू ने ‘राव बहादुर’ को एक ऐसी फिल्म के रूप में भी डिस्क्राइब किया है जो तेलुगु सिनेमा में कुछ ऐसा पेश करने का वादा करती है जो पहले कभी नहीं देखा गया। एक इंटर्स अवतार में सत्यदेव के साथ, यह ट्रेलर संस्यंस, शानदार विजुअल्स और एक ऐसी कहानी डिलीवर करता है जो दर्शकों को आखिरी तक बांधे रखने का वादा करती है। ट्रेलर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि ये रहा ... #RaoBahadurTrailer... 3 जुलाई को, आपके नजदीकी थिएटर में!!
‘राव बहादुर’ एक ऐसे ताने-बाने को बुनती है जो साइकोलॉजिकल थ्रिलर के साथ-साथ एक दहते हुए शाही (राजशाही) इतिहास की परछाइयों को दिखाता है। वेंकटेश महा, जो इस फिल्म की राइटिंग, डायरेक्शन और एडिटिंग संभाल रहे हैं, एक ऐसी कहानी को शेप देते नजर आ रहे हैं जो अपनी स्थानीय संवेदनाओं से गहराई से जुड़ी हुई है और साथ ही इसमें एक ऐसी इमोशनल अपील है जो हर किसी को छू जाए। फिल्म के पीछे एक मजबूत टेक्निकल टीम का सपोर्ट है, जिसमें कार्टिक परमार सिनेमेटोग्राफी संभाल रहे हैं, स्मरण साई ने म्यूजिक कंपोज किया है, और रोहन सिंह ने फिल्म के खास और अलग प्रोडक्शन डिजाइन को तैयार किया है।

‘मुपापा’ का हिस्सा बने आयुष्मान

फिल्म ‘मुपापा’ को यश राज फिल्म्स (YRF) और पोझम पा पिक्चर्स मिलकर बना रहे हैं, यह इन दोनों प्रोडक्शन हाउस का पहला कोलेबोरेशन है। यह मिलकर ‘मोपापा’ नाम की फिल्म बना रहे हैं। इसमें आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं, इस बात की घोषणा मेकर्स ने बुधवार को की है।

बिल्कुल अलग जॉनर की होगी फिल्म
‘मोपापा’ काफी अलग जॉनर की फिल्म है। इसे समीर सक्सेना निर्देशित करेंगे। वह अब तक ‘ट्रिपलिंग’, ‘ये मेरी फैमिली’ और ‘परमानेंट रूममेट्स’ जैसी सीरीज बना चुके हैं। साथ ही जितेंद्र कुमार स्टारर फिल्म ‘जादूगर’ का निर्देशन भी वह कर चुके हैं।

कब थिएटर में दस्तक देगी फिल्म?

फिल्म ‘मोपापा’ की रिलीज डेट भी मेकर्स ने शेयर की है। यह अगले साल वैंलेटाइल वीक के बाद रिलीज होगी। इसकी रिलीज डेट 19 फरवरी, 2027 है। फिल्म में आयुष्मान खुराना के अलावा बाकी कास्ट में कोन-कोन शामिल है, अभी इसका खुलासा नहीं हुआ।

विक्रान्त मैसी ने शुरू किया अपना प्रोडक्शन हाउस ‘होममेड स्टोरीज’

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता विक्रान्त मैसी ने अपने प्रोडक्शन हाउस ‘होममेड स्टोरीज’ (Homemade Stories) के नाम की आधिकारिक घोषणा कर अपने रचनात्मक सफर में एक नए अध्याय की शुरुआत की है। इसके साथ ही उन्होंने इस बैनर की पहली प्रस्तुति ‘मुसाफिर कैफे’ का टीजर भी जारी किया और यह घोषणा की कि यह रोमांटिक ड्रामा 24 जुलाई 2026 को OTT प्लेटफॉर्म पर प्रीमियर होगा। इस ऐलान के साथ दर्शकों को पहली बार उन भावनात्मक और दिल को छू लेने वाली कहानियों की झलक मिली है, जिन्हें यह नया बैनर बड़े पर्दे और डिजिटल माध्यम पर लेकर आने का लक्ष्य रखता है। ऐसे समय में, जब भारतीय सिनेमा पर एक्शन, क्राइम थ्रिलर और भव्य मनोरंजन फिल्मों का दबदबा है, विक्रान्त मैसी ने अलग राह चुनने का फैसला किया है।

